



दर्शन करते जवान

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई पवित्र गुफा में 6 से 7 फीट का शिवलिंग बना, यात्रा 3 जुलाई से

एजेंसी ►► श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपना आकार ले चुका है। इस दौरान सुरक्षा के लिए तैनात जवानों ने सबसे पहले शिवलिंग के दर्शन भी किए। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी। इन दिनों रास्ते में सामान्य जगहों पर 6 से 8 फीट और हिमस्खलन वाले इलाकों में 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है। बालटाल मार्ग पर ►►शेष पेज 6 पर

मानसून

अपनी लय में बढ़ रहा आगे खाड़ी में अभी सभी परिस्थितियां अनुकूल

►► **खजुराहो में पारा 45.4 और नौगांव में 45.5 डिग्री रहा**

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी तीखी गर्मी है। कुछ जिलों में लू के अलर्ट के बीच शनिवार को नौगांव और खजुराहो को छोड़कर शेष जिलों में लू से राहत शुरू हो गई है। नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है। नौतपे की शुरुआत के पहले चार दिन यानि 29 मई तक गर्मी परेशान करेगी। इसके बाद मौसम में बदलाव से प्रदेशभर में लू से राहत के साथ भीषण गर्मी से भी राहत मिलना शुरू हो जाएगी। मौसम विशेषज्ञ एक शुक्ला के अनुसार बंगाल की खाड़ी में दक्षिण पश्चिमी मानसून लगातार

अपनी लय में आगे बढ़ रहा है। अब अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में और आगे बढ़ा है। इससे केरल में मानसून एक जून तक सक्रिय होगा, जिससे प्रदेश में जून की शुरुआत से प्रीमानसून शुरू हो जाएगा। इससे बारिश, आंधी और बादलों के बीच पारा गिरने से भीषण गर्मी और लू से राहत मिलेगी। शनिवार को प्रदेश में अधिकतम पारा औसतन एक डिग्री तक गिरा है। खजुराहो में पारा 45.4 और नौगांव में 45.5 डिग्री रहा है। भोपाल में एक डिग्री गिरकर 41.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से दशमलव 4 डिग्री अधिक है। प्रदेशभर में औसत पारा 42 डिग्री रहा।



दोपहर 1:23 बजे भोपाल का कोलार रोड (6 लेन) भीषण गर्मी के चलते सूना दिखा।

आज यहां लू से तीव्र लू

रविवार को सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ में तीव्र लू और दतिया, भिंड, रीवा, मऊगंज, कटनौ, दमोह, निवाड़ी, मैहर, सागर में लू रह सकती है। हल्के बादला छाने से छिंदवाड़ा, बालाघाट और पांडुरणा में रात में गर्मी बढ़ सकती है।

दिवशा के पति समर्थ की भोपाल जिला कोर्ट में पेशी, 7 दिन की पुलिस रिमांड पर

सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान शव का दोबारा पोस्टमार्टम आज



यहीं लटका मिला था शव

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

राजधानी भोपाल के चर्चित दिवशा शर्मा की मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कल यानी 25 मई (सोमवार) को सुनवाई की तारीख तय की है। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच करेगी। बेंच में जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल रहेंगे। वहीं दिवशा शर्मा केस में आरोपी पति समर्थ सिंह को शनिवार दोपहर जेपी अस्पताल में समर्थ सिंह का मेडिकल कराने के बाद 3 बजे उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली। वहीं, दिवशा के परिजनों की ►►शेष पेज 6 पर

समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने का आदेश वकालत का लाइसेंस हो चुका है सस्पेंड

►► **समर्थ का जेपी हॉस्पिटल में मेडिकल टेस्ट कराया गया**

फरारी के दौरान समर्थ ने बदला अपना हुलिया

पहचान छिपाने के लिए समर्थ ने फरारी के दौरान अपना हुलिया भी बदल लिया था। हमेशा क्लीन शेव रहने वाला समर्थ हल्की दाढ़ी में नजर आया। आमतौर पर फॉर्मल लुक में रहने वाला समर्थ इस बार कैजुअल जींस-शर्ट और कैप में दिखाई दिया। उसने चेहरे पर मास्क भी लगा रखा था। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार का कहना है कि जब तक मामला किसी दूसरी जांच एजेंसी को ट्रांसफर नहीं किया जाता, तब ►►शेष पेज 6 पर ►►पढ़ें पेज 03 भी

पोस्टमॉर्टम का विषय जीएडी विभाग देख रहा

कमिश्नर ने कहा कि दिवशा के शव का सेकंड पोस्टमार्टम भोपाल एम्स में ही कराया जाएगा। यह विषय जीएडी विभाग देख रहा है, पुलिस लगातार उनके संपर्क में है। मामले में जो भी वैधानिक प्रक्रिया ►►शेष पेज 6 पर



पुलिस वाहन से उतरता समर्थ



►► **भोपाल पुलिस कमिश्नर बोले**

हम गिरिबाला सिंह से भी पूछताछ करेंगे

मामले में शनिवार दोपहर 1 बजे भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कहा कि रिमांड मिलने के बाद पुलिस उससे घटना वाली रात, पारिवारिक विवाद, मोबाइल चैट, कॉल डिटेल और फरारी के दौरान की गतिविधियों को लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस लगातार समर्थ की तलाश में थी, लेकिन इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह सीधे कोर्ट पहुंचकर सरेंडर कर देगा। हम गिरिबाला सिंह से भी पूछताछ करेंगे। हम ►►शेष पेज 6 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि

सुनहरा मौका

सुनिश्चित उपहार 2026

का मास्टर कूपन

काल के अंक में देखें।

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY **airtel**

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला

एमआई **आरआर**

दोपहर 3.30 बजे से

केकेआर **डीसी**

शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

सीएम राइज स्कूल प्राचार्य के घर से 1 करोड़ की चोरी

शिवपुरी। चोरों ने बदरवास सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य महेंद्र कुमार गुप्ता के घर को निशाना बनाते हुए करीब 1 करोड़ रुपए की चोरी की। आरोपी घर से सोने-चांदी के जेवर और कैश लेकर फरार हो गए। जानकारी

के मुताबिक, बदरवास करब के वार्ड क्रमांक 8 निवासी महेंद्र कुमार गुप्ता घर में सो रहे थे।

हनीट्रैप-2: हेड कांस्टेबल सस्पेंड, खातों की जांच होगी

इंदौर। हनीट्रैप-2 मामले में आरोपी इंटीलजेंस विंग के हेड कांस्टेबल विनोद शर्मा को सस्पेंड कर दिया

है। इसके अलावा सभी आरोपियों की संपत्तियों और खातों की जांच भी की जाएगी। इधर, मामले की

जांच कर रही स्पेशल जांच टीम आरोपी रेशू को सागर और भोपाल ले जाने की तैयारी कर रही है।

बिजली लाइन में स्पाकिंग से भड़की आग

►► **देर से पहुंची फायर ब्रिगेड तड़प-तड़पकर गई जान**

►► **परिजनों को कुल 6-6 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी**

हरिभूमि न्यूज ►► सीधी

जिले में कच्चे मकान में लगी भीषण आग में तीन मासूम बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे घर को चपेट में ले लिया। अंदर मौजूद बच्चे बाहर नहीं निकल सके। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश शुरू की, लेकिन तब तक बच्चों की मौत हो चुकी थी। मृत बच्चों की पहचान डेढ़ वर्षीय रिधि साकेत, 6 वर्षीय धुमू उर्फ संस्था साकेत और 3 वर्षीय एक अन्य बच्चे के रूप में हुई है। सभी जमोड़ी के कसिहवा गांव के रहने वाले थे। हादसा शनिवार दोपहर करीब 1 बजे



आग से घिरा घर

हुआ। ग्रामीणों के मुताबिक घर के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन में स्पाकिंग हुई। चिंगारी पास में रखे बांस और सूखे सामान पर गिरी, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। बच्चों की मां घर से जाते समय दरवाजा ►►शेष पेज 6 पर

सीबीएसई का सर्वर डाउन

पेमेंट गेटवे में गड़बड़ी से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बेहद नाराज!

नई दिल्ली। सीबीएसई का सर्वर डाउन होने और पेमेंट गेटवे में गड़बड़ी से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बेहद नाराज! 12वीं के री-इवैल्यूएशन फॉर्म भरने में छात्रों को हो रही परेशानी पर मंत्रालय ने सीबीएसई से जवाब मांगा है और तुरंत ऐकशन लेने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई के री-इवैल्यूएशन और ऑनरशीट प्रक्रिया को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। बोर्ड के पोर्टल पर ►►शेष पेज 6 पर



■ **सीबीएसई से मांगा लिया जवाब**

मृतकों की संख्या 8 पहुंची

देवास की पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में 2 और मौत

इंदौर। देवास जिले के टोंककला में 14 मई को हुए पटाखा फैक्ट्री हादसे में झुलसे अजय और निरंजन ने भी दम तोड़ दिया। शुक्रवार रात इलाज के दौरान दोनों घायलों की मौत हो गई। इसके साथ ही हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। फैक्ट्री विस्फोट के बाद से दोनों का उपचार एमवायएच में चल रहा था। बर्न यूनिट में दोनों मरीजों की हालत अभी बेहद गंभीर बनी हुई थी। दोनों बिहार के रहने वाले थे। वहीं, इंदौर के एमवाय अस्पताल में ►►शेष पेज 6 पर



■ **एमवाय अस्पताल में भर्ती मरीजों ने तोड़ा दम**

लेह में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, 3 अधिकारी बाल-बाल बचे



6 **हादसे के बाद मेजर जनरल ने ली सेल्फी**

यह चॉपर पुराने चीता प्लूटि का हिस्सा था

एजेंसी ►►लेह

लद्दाख में लेह के पास पहाड़ी टैंगस्टे इलाके में एक हेलीकॉप्टर के क्रैश होने से इंडियन आर्मी के तीन ऑफिसर बाल-बाल बच गए। यह चॉपर पुराने चीता प्लूटि का हिस्सा था, उसमें एक लीफ्टनैंट कर्नल, एक मेजर और एक मेजर जनरल सवार थे, और 20 मई को क्रैश हो गया, अधिकारियों ने शनिवार सुबह इस खबर की पुष्टि की। लीफ्टनैंट कर्नल और ►►शेष पेज 6 पर

आम आदमी को महंगाई का झटका दर झटका.... जरूरी चीजों की बढ़ेंगी कीमतें

10 दिन में पांच रुपए तक महंगा हुआ तेल, इस बार पेट्रोल पर 87और डीजल पर 91 पैसे बढ़े

एजेंसी ►►नई दिल्ली

देशभर में महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को एक और बड़ा झटका लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में एक बार फिर इजाफा कर दिया है। पिछले 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में करीब पांच रुपए प्रति लीटर तक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चुनाव के बाद कीमतों में लगी रोक हटने से परिवहन लागत बढ़ने और अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव बढ़ने की चिंताएं गहरी गई हैं। इस बार पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर ►►शेष पेज 6 पर



फाइल फोटो

►► **अप्रैल में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.48% व थोक महंगाई दर 42 महीने के उच्चतम स्तर 8.3% पर पहुंची**

अभी भी तेल कंपनियों को नुकसान

हालिया बढ़ोतरी के बाद भी तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल पर 10 रु. और डीजल पर 13 रु. प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। ईंधन महंगा होने से सीधा असर माल दुलारी और परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे हर जरूरी चीज महंगी हो सकती है। अप्रैल में खुदरा महंगाई दर बढ़कर ►►शेष पेज 6 पर

इधर, गडकरी का दावा- अब 25 रु. वाले ईंधन से ही दौड़ेंगी गाड़ियां

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपनी गाड़ी का उदाहरण देते हुए बताया कि मैं जिस गाड़ी से चलता हूँ, वह 100 प्रतिशत बायो-इथेनॉल से चलती है। इथेनॉल की कीमत अभी 65 रुपए प्रति लीटर है। यह गाड़ी चलते समय 60 प्रतिशत बिजली भी बनाती है। अगरे पेट्रोल और डीजल से इसकी तुलना की जाए, तो गाड़ी चलाने का असल खर्च करीब 25 रुपए प्रति लीटर ही आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे फ्लेक्स-पयुल इंजन वाली गाड़ियां जल्द ही बड़े पैमाने पर बाजार में उतारी जाएंगी।



नितिन गडकरी

स्टूडेंट्स की क्रिएटिविटी के साथ उनके जुनून को दर्शाता निफ्ट का ग्रेजुएशन शोकेस

43

Glorious YEARS

SAGE

UNIVERSITY

INDORE • BHOPAL

NAAC A+

Accreditation In It's First Cycle

Times Higher Education

Impact Rankings 2025

University Global Ranking

BUILD A

SARVAGUN

SAMPANN

CAREER

FOR FUTURE

READY CAREER

OPTIONS

► AI ENABLED LABS

► MSME INCUBATION CELL

60K+

ALUMNI

1700+

RESEARCH ARTICLES

250+

PATENTS

45K+

PLACEMENTS

30+

LPA HIGHEST PACKAGE

350+

PHD FACULTIES

150+

MOU'S

SAGE

ACHIEVEMENTS

PROUD ALUMNI

GAUTAM SHARMA

salesforce

2.0 CRONE PER ANNUM

ILA SINGH

ING

SHIVIKA KHARE

Walmart

DEEPANKAR PATERIYA

Deloitte

SIRT SAGE GROUP OF INSTITUTIONS

Engineering • Management • Pharmacy

Sagar Institute of Research and Technology

Main Campus : Ayodhya Bypass Road, Bhopal

Mob. : 7773009400 | 7773005252

MoUS & Tie-Ups

Madhya Pradesh Admission Offices

Balaghat | Betul | Chhindwara | Seoni - 8815094781

Jabalpur | Katni | Tikamgarh | Narsinghpur - 7471144522

Rewa | Satna | Singrauli - 7694013275

Rajgarh - 7471144505 | Sagar - 6232107498 | Shahdol - 6232107506

Narmadapuram - 7471144509 | Vidisha - 6232107517

Barwani - 6262606959 | Alirajpur - 9630113677

Khatgaon - 6262606967 | Harda - 6262602819 | Chhatarpur - 6262602815

Ratlam - 6262602822 | Khargone - 6262602818

Mandleshwar - 6269632347 | Gwalior - 8319511073

Sanawad | Khandwa | Mhow | Pithampur | Dhar - 6262601152, 6262606890

Ujjain - 8871207839 | Dewas - 8349210580 | Guna - 6262602823

Bhopal Campus: Katara Ext., Sahara Bypass Road, Bhopal

78801 99961

78801 99962

www.sageuniversity.edu.in

ENROLL NOW

SEE

SAGE ENTRANCE EXAM

30-31, May 2026

For more information Please Scan

Indore Campus: Kailod Kartal, Rau Bypass Road, Indore

95225 78382

95225 78482

www.sageuniversity.in

SIRT SAGE GROUP OF INSTITUTIONS

Engineering • Management • Pharmacy

SAGE INTERNATIONAL SCHOOL

Ayodhya Nagar | Kolar Road

Apollo Sage HOSPITALS

FOUNDER 1998

SAGE REALTY

SGI

SAGE GREEN INDUSTRIES

AGRAWAL POWER PVT. LTD.

True Sage Foundation

घटना के बाद गिरिबाला सिंह के संपर्क में रहे सभी नंबरों की बुलाई जाए सीडीआर और लोकेशन

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

भोपाल सहित देश के बहुचर्चित टिवशा शर्मा आत्महत्या मामले में लगातार नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इसी बीच अब टिवशा के परिजन ने भोपाल पुलिस कमिश्नर और एसआईटी प्रमुख को आवेदन प्रस्तुत कर गंभीर सवाल उठाए हैं। इसके साथ ही परिजन ने एसआईटी टीम से टीआईई कटारा हिल्स सुनील दुबे को हटाने की मांग की है।

परिजन का दावा है कि मामले में टीआईई कटारा हिल्स शुरूआत से ही आरोपी पक्ष को अप्रत्यक्ष रूप से बचाने का प्रयास कर रहे हैं और इससे जांच प्रभावित हो रही है। पुलिस की लापरवाही के चलते पूर्व में आरोपी समर्थ सिंह मौके फरार हो गया था। इसके अलावा



टिवशा की मौत का सच!

लापरवाही पूर्वक केवल शव ही पीएम के लिए एम्स के मर्चुरी में भेजा गया, जबकि नियमानुसार फांसी लगाने वाला प्लास्टिक की बेल्ट भी मौके से जन्त की जानी थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बढ़ते विरोध के बीच बेल्ट दो दिन बाद एम्स पहुंचाया गया। इससे पीएम रिपोर्ट प्रभावित होने के साथ कार्रवाई में भी देरी हुई। दरअसल, बेल्ट और आत्महत्या करने वाले शस्त्र का मिलान किया जाता है। बावजूद इसके पहले ही पीएम रिपोर्ट सामने आ गई। इससे एम्स की प्रबंधन की भी लापरवाही सामने आई है। सभी प्रकरणों में पीएम कराने के साथ ही बेल्ट, रस्सी अथवा आत्महत्या में उपयोग की गई वस्तु सौंपनी होती है।

बेल्ट और आत्महत्या करने वाले शस्त्र का मिलान किया जाता है, बावजूद इसके पहले ही पीएम रिपोर्ट सामने आ गई

नियमानुसार फांसी वाली प्लास्टिक बेल्ट भी मौके से जब्त की जानी थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ

टिवशा के परिजन ने की मांग: एसआईटी से हटाए जाएं टीआईई कटारा हिल्स थाना, एम्स प्रबंधन की भी लापरवाही आई सामने

परिजन ने भोपाल पुलिस कमिश्नर और एसआईटी प्रमुख को आवेदन प्रस्तुत कर मामले में गंभीर सवाल उठाए, कार्रवाई की मांग की



फाइल फोटो

नंबरों की सीडीआर और लोकेशन सुरक्षित करने की मांग

टिवशा के परिजन के वकील अंकुर पाण्डेय ने बताया कि मामले में परिजन ने भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार और एसआईटी प्रमुख को आवेदन प्रस्तुत करने अलावा जिला न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर घटना के बाद गिरिबाला सिंह एवं उनके संपर्क में रहे सभी नंबरों की सीडीआर और लोकेशन सुरक्षित करने की मांग की है। इसके साथ ही पूरी संभावना है कि सीबीआई सोमवार तक इस मामले पर अपनी जांच प्रक्रिया शुरू कर सकती है।

दिल्ली में हुई थी शादी

बता दें कि गोएडा निवासी मॉडल व एक्टर 31 वर्षीय टिवशा शर्मा की दिसंबर, 2025 में भोपाल निवासी पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के पुत्र समर्थ सिंह से शादी हुई थी। दोनों का रिश्ता वैवाहिक वेबसाइट के माध्यम से तय हुआ था। विवाह दिल्ली में संपन्न हुआ और इसके बाद टिवशा अपने पति के साथ भोपाल में रहने लगी। उसके पिता के अनुसार, उसे दहेज के लिए सखुराल में प्रताड़ित किया जाता था। 12 मई 2026 की रात उसका शव घर में फंदे से संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला था। जिसके बाद से ही मामला संदिग्ध खाना हुआ है।

खबर संक्षेप

भोपाल-जेवर नई फ्लाइट एक जुलाई से होगी शुरू

संतनगर। भोपाल के बाशिंदों को एक और नई फ्लाइट की सौगात मिलने जा रही है। इंडिगो एयरवेज की यह फ्लाइट एक जुलाई से शुरू होगी, जिसका शेड्यूल जारी कर दिया गया है। भोपाल और नए बने नोएडा एयरपोर्ट जेवर के बीच नई डायरेक्ट फ्लाइट 1 जुलाई से शुरू हो रही है। यह इंडिगो उड़ान सं. 6E-7653 5:40 बजे पर जेवर से रवाना होकर 7 बजे भोपाल पहुंचेगी। इसी तरह उड़ान संख्या 6E-7654 भोपाल से 7:40 बजे जाकर 9:25 बजे जेवर पहुंचेगी।

सात लाख मकानों की गिनती पूरी

भोपाल। पंद्रह साल बाद हो रही जनगणना को लेकर शनिवार तक शहरी क्षेत्र में करीब अस्सी फीसदी काम पूरा कर लिया गया है। जिसके तहत अब तक करीब सात लाख मकानों की गिनती कर उनके बाहर लाल स्याही से नंबरिंग कर दी गई है। शहरी क्षेत्र में 3 हजार 285 जनगणना ब्लॉकों में से 2 हजार 800 प्रणालियों को मकानों की गिनती के लिए तैनात किया गया है। जिसके तहत अस्सी फीसदी एरिया में काम पूरा हो गया है। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने बताया कि जनगणना में मकानों की गिनती का काम चल रहा है।

रातीबड़ में मजदूरी करते हैं परिजन पानी से भरे टब में डूबकर डेढ़ साल की बच्ची की मौत

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित मालीखेड़ी में शनिवार सुबह पानी के टब में डूबने से डेढ़ साल की मासूम की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची रातीबड़ पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार जुबेर खान गांव मालखेड़ी रातीबड़ में रहते हैं और मजदूरी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो जुड़वा बच्ची थीं। जुबेर शनिवार



सुबह काम पर चला गया था। सुबह करीब दस बजे जुबेर की पत्नी खाना बना रही थी। जुबेर की डेढ़ साल की बच्ची अलिस्वा खान खेलते-खेलते बाहर पहुंच गई। जुबेर की पत्नी ने पानी टब में भरकर रखा था। इसी टब में अलिस्वा खेलते-खेलते गिर गई, जिससे उसकी टब में डूबने से मौत हो गई।



सुबह काम पर चला गया था। सुबह करीब दस बजे जुबेर की पत्नी खाना बना रही थी। जुबेर की डेढ़ साल की बच्ची अलिस्वा खान खेलते-खेलते बाहर पहुंच गई। जुबेर की पत्नी ने पानी टब में भरकर रखा था। इसी टब में अलिस्वा खेलते-खेलते गिर गई, जिससे उसकी टब में डूबने से मौत हो गई।

पुराने शहर के बाद नए शहर के इलाकों में शुरू हुआ स्वच्छता सर्वेक्षण स्वच्छता टीम ने घरों की कुंडी खट-खटाकर पूछा कचरा वाहन कब आया? गार्बेज स्टेशन भी देखा

टीम ने जोन-17 जोन 1 जोन 5 और जोन 10 के इलाकों का सर्वे किया



बैकलेन की दीवार पर बनी पेंटिंग को देखा दल।

शहर में तीस मई तक पूरा होगा सर्वे

गुरुवार से यह सर्वे चल रहा है और 30 मई तक हर हाल में पूरा होगा है। इसको देखते हुए नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों की छुट्टी कैसिल करते हुए फोल्ड में ही रहने को कहा है।

अनाधिकृत और अत्यधिक ध्वनि वाले ट्रैफिक पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम बंद करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

शहर में ट्रैफिक चौराहों पर लगाए गए हाई-वॉल्यूम ट्रैफिक पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम से उत्पन्न हो रहे गंभीर ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध दायर याचिका पर राजधानी स्थित नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने प्रशासन एवं संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए हैं। इस मामले में पर्यावरण कार्यकर्ता एवं आवेदक राशिद नूर खान ने लगाई है।

आवेदक की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पैरवी की। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति श्योकुमार

सिंह, न्यायिक सदस्य एवं सुधीर कुमार चतुर्वेदी, विशेषज्ञ सदस्य की बेंच में हुई। बताया गया कि पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम आवासीय क्षेत्रों, व्यावसायिक क्षेत्रों तथा न्यायालयों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य साइलेंट जोन के आसपास संचालित किए जा रहे हैं, जबकि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत ऐसे क्षेत्रों में ध्वनि स्तरों पर विशेष नियंत्रण आवश्यक है। इस प्रकार का संचालन पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं ध्वनि प्रदूषण अधिनियम 2000 का उल्लंघन है।

इधर, इकोलॉजिकल पार्क में फेंके जा रहे मृत मवेशी और मेडिकल वेस्ट

राजधानी में पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर लगातार सख्ती की बात की जाती है, लेकिन शहर की सीमा से लगे इलाकों में खुलेआम नियमों की ध्मिज्या उड़ाई जा रही है। पटेल नगर से मिसरोद-मंडीहीप, रायसेन बायपास रोड किनारे स्थित प्रदेश के सबसे बड़े लहारपुर इकोलॉजिकल पार्क क्षेत्र में मृत मवेशियों और मेडिकल वेस्ट को अवैत रूप से फैकने और जलाने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं, मेडिकल वेस्ट और अन्य गंदगी भी यहां डंप की जा रही है। हैबनी की बात यह है कि यह सब उस इलाके में हो रहा है, जिसे पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। बड़बड़ और धुंध से आसपास रहने वाले लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।



पार्क में फेंका गया कचरा।

पार्क में कचरा फेंकने के लिए दीवार तोड़ी

कई बार यहां बोरी में भरकर मर चुके जानवर फेंके जाते हैं। बाद में उन्हें आग लगाकर जलाया जाता है। इससे पूरे इलाके में जहरीला धुआं फैलता है, जो लोगों की सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कचरा और मृत मवेशी अंदर फेंकने के लिए पुल की दीवार तक तोड़ दी गई है। इस मामले में जोन के एएचओ ने जिम्मेदारी लेने से इनकार कर रहे हैं। वहीं, महापौर मालती राय ने कहा कि कौन मवेशी फेंक रहा है, नगर निगम के कर्मचारी या कोई और इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन फार्मर रजिस्ट्री में भोपाल सबसे पीछे

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

जिले के तहसील दफ्तरों में नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के केंसों की पेंडेंसी बढ़ती जा रही है। जिले की हुजूर, बैरसिया, कोलार सहित वृत्तों में करीब 13 हजार 552 नामांतरण के केस पेंडिंग चल रहे हैं। तहसील दफ्तरों में सबसे ज्यादा नामांतरण के 2373 केस हुजूर के अपर तहसीलदार अतुल शर्मा और तहसीलदार अनुराग त्रिपाठी के यहां 1972 केस पेंडिंग हैं।

जिले की तहसीलों में करीब एक लाख 66 हजार 759 नामांतरण के केस रजिस्टर्ड हुए थे और एक लाख 53

दो बसों के फिटनेस हुए निरस्त कई बसों में इमरजेंसी विंडो जाम एक्सपायर मिले अग्निशमन यंत्र

परिवहन आयुक्त व पीटीआरआई के निर्देश पर आरटीओ व पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से चलाया चैकिंग अभियान

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

परिवहन आयुक्त व पीटीआरआई सहायक पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशानुसार यात्री सुरक्षा को लेकर भोपाल आरटीओ व यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से नियम विरोध बसों की चैकिंग को लेकर शनिवार को अभियान चलाया गया। इस दौरान एक बस में इमरजेंसी खिड़की जाम थी, वहीं दूसरी में फायर फाइटिंग की डेट एक्सपायर हो गई थी।

आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि आरटीओ व पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से चलाए गए चैकिंग अभियान में बस एम्पी 04 पीए 7774 में फायर एक्टिविंशर की तारीख खत्म होने के कारण एवं आपातकालीन खिड़की आसानी से न खुलने के कारण, वहीं बस क्रमांक 39 पी0510 में फायर उपकरण न होने के कारण एवं



बस की चैकिंग करते अधिकारी।

पैनिक बटन न होने के कारण फिटनेस निरस्त किया गया है। साथ ही 12 बसों से परमिट शर्तों के उल्लंघन के समन शुल्क के रूप में 144000 रुपए वसूल किए गए हैं। जितेंद्र शर्मा ने बताया कि परमिट, बीमा और फिटनेस जैसे दस्तावेजों की अनदेखी गंभीर अपराध है। यह न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में भी नियमों का पालन नहीं किया गया, तो और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नामांतरण पेंडिंग केस वाले टॉप फाइव तहसीलदार, शर्मा, त्रिपाठी सबसे ऊपर

हजार 207 का निराकरण किया गया है। जिले की बात करें तो इनमें भी सबसे अधिक लंबित मामले सबसे बड़ी तहसील हुजूर में पांच हजार 605 हैं। जबकि कोलार तहसील में तीन हजार 256, गोविंदपुरा में एक हजार 744, संत हिरदाराम नगर में एक हजार 138 हैं। जबकि एम्पी नगर में 523, टीटीनगर में 323, बैरसिया में 876 और शहर वृत्त में 87 नामांतरण के प्रकरणों का निराकरण किया जाना है। कलेक्टर गिर्यंकर मिश्रा का कहना है कि नामांतरण, सीमांकन और बंटवारे के प्रकरणों को एक महीने में निपटाने की हिदायत अफसरों को दी गई है।

नामांतरण में सबसे ज्यादा पेंडेंसी

- अपर तहसीलदार हुजूर अतुल शर्मा: 2373
- तहसीलदार हुजूर अनुराग त्रिपाठी: 1972
- अपर तहसीलदार हुजूर आलोक पाटे: 1775
- तहसीलदार गोविंदपुरा सोरभ वर्मा: 1358
- तहसीलदार कोलार यशवर्धन सिंह: 905
- तहसीलदार बैरसिया दिलीप चौरसिया: 507

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग ने सुनाया फैसला, सुनवाई में उपस्थित नहीं हुआ ठेकेदार

पैसे लेने के बाद घर में रैलिंग का काम अधूरा छोड़ा, देना होगा 1 लाख 65 हजार रु. जुर्माना

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

एक मामले में ठेकेदार को घर में रैलिंग लगाने के लिए पैसे लेने के बाद भी समय पर काम पूरा नहीं करना, टाइल्स का नुकसान करना और फिर अधूरा काम छोड़कर जाना भारी पड़ गया। अब जिला उपभोक्ता आयोग ने ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि वह मकान मालिक को रैलिंग बनाने के लिए ली गई 80 हजार रुपए की राशि वापस करेगा। इसके साथ ही मकान में काम के दौरान हुई तोड़फोड़ के लिए 30 हजार रुपए और सेवा में कमी व मानसिक कष्ट के लिए 50 हजार रुपए के अलावा 5 हजार रुपए वाद व्यय के भी अदा करेगा। यानि 1 लाख 65 हजार का हर्जाना ठेकेदार को मकान मालिक को देना होगा।

यह फैसला जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग भोपाल क्रमांक 1 के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल एवं सदस्य डॉ. प्रतिभा पाण्डेय की बेंच ने सुनाया है। प्रकरण में नोटिस तामिली के बाद भी ठेकेदार द्वारा अपना जवाब एवं दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। ऐसे में उपभोक्ता आयोग ने एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है।

रैलिंग के लिए 80 हजार लेने के बाद भी काम पूरा नहीं किया

दरअसल, भोपाल निवासी अधिवक्ता महेंद्र वर्मा द्वारा मोहम्मद दानिश, प्रोपराइटर ऑटिस्टिक इंजीनियरिंग एंड फैब्रिकेशन, भोपाल के विरुद्ध जिला उपभोक्ता आयोग में परिवार प्रस्तुत किया गया था। अपने वाद में महेंद्र वर्मा ने बताया कि ठेकेदार ने उनके घर में रैलिंग के कार्य के लिए 80 हजार रुपए लेने के बाद भी काम पूरा नहीं किया। उन्होंने अपने मकान में सोडियों और बाउंड्रीवॉल पर लोहे की रैलिंग लगवाने के लिए उससे संपर्क किया था। पूरे काम के लिए मटेरियल एवं मजदूरी सहित 80 हजार रुपए का खर्च बताया गया

था। दोनों पक्षों के बीच काम 80 हजार रुपए में किया जाना तय हुआ था, जिसके बाद 10 हजार रुपए उन्होंने अग्रिम गुगतान भी कर दिया था। जिसके बाद ठेकेदार ने यह आश्वासन दिया था कि वह 28 मई 2025 तक रैलिंग लगवाले के कार्य को कुशल कारीगरों के द्वारा पूरा कराएगा और इस दौरान किसी तरह की कोई तोड़फोड़ नुकसान नहीं होगा। इसके बाद विपक्षी को 40 हजार नकद दिए गए। विपक्षी की बात पर विश्वास करते हुए महेंद्र वर्मा ने अपने मकान में गृह प्रवेश का कार्यक्रम 31 मई 2025 को नियत कर लिया था।



कान देरी से शुरू किया, सीडी के वेनाइट भी तोड़े

परिवादी महेंद्र वर्मा ने बताया कि ठेकेदार ने घर रैलिंग लगाने का काम देरी से शुरू किया गया और इस दौरान सीडी के वेनाइट भी तोड़े गए। जब परिवादी ने इसकी शिकायत की तो उन्होंने कहा वह इसे ठीक कर देंगे। इसके बाद कारीगरों द्वारा बीच में ही काम भी बंद कर दिया गया। ऐसे में परिवादी को परिशानी झेलनी पड़ी। 20 अगस्त 2025 को मटेरियल खरीदने के लिए ठेकेदार ने 30 हजार रुपए लिए। फिर कारीगरों 2 दिन बाद साइट से सामान ले गए और काम अधूरा छोड़ गए।

बिना ग्रीन नेट निर्माण, ठोका 50 हजार का जुर्माना, कंस्ट्रक्शन कंपनी पर कार्रवाई

टीटी नगर स्थित स्मार्ट सिटी एरिया में गिरिराज कंस्ट्रक्शन कंपनी पर नगर निगम ने 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। शनिवार को टीटी नगर स्थित स्मार्ट सिटी एरिया में गिरिराज कंस्ट्रक्शन कंपनी का काम चल रहा था। जहां बिना ग्रीन नेट लगाए काम चल रहा था। तभी निगम कमिश्नर संस्कृति जैन भी इसी रास्ते से गुजरी और उन्होंने निर्माण स्थल से धूल उड़ती देखा। इससे नाराज कमिश्नर ने जोन 21 के अमले को कार्रवाई के लिए भेजा। मौके पर पहुंचे जोन 21 के अमले ने कंस्ट्रक्शन कंपनी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए 50 हजार का चैक लिया। बताया जाता है कि तीन



गंभीरता से लिया है। वहीं कमिश्नर ने सभी 21 जोन के प्रभारी एएचओ को अपने-अपने इलाकों में बिना ग्रीन नेट उपयोग करने पर जुर्माने की कार्रवाई को कहा है।

दिन से शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम मौजूद है। इसलिए कमिश्नर ने इस मामले को

अजंता®

AJANTA

अजंता®

ISO 9001:2015

ISO 22000:2018

ESTD. 1949

Food Color Preparation Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours

www.ajantafoodproducts.com

इस दौरान तेज आंधी चलने व बूढ़ाबांदी होने की भी संभावना

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

ज्येष्ठ मास 2 मई से शुरू होगा, जो इस बार गर्मी और आस्था, दोनों के चरम का साक्षी बनने जा रहा है। एक और ज्येष्ठ माह में 8 बड़ा मंगल पड़ने का दुर्लभ संयोग बन रहा है। तो वहीं 25 मई से शुरू होने वाला नौतपा नौ दिनों तक भीषण गर्मी का कहर बरपाएगा। मां चामुंडा दरबार के पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि सूर्य 25 मई को रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा और 2 जून तक इसी नक्षत्र में रहेंगे। इस बार 27 साल बाद नौतपा पर नवपंचम योग संयोग बन रहा है। जोकि अत्यंत शुभ और प्रभावशाली रहेगा। इससे मानव जीवन में

नौतपा कल से: 27 साल बाद नौतपा पर शुक्र और शनि बनाएंगे नवपंचम योग, आएंगे 2 बड़े मंगलवार



सकारात्मक परिणाम और उन्नति का संकेत देता है। यह योग तब बनता है जब दो ग्रह एक-दूसरे से नवम और पंचम भाव में स्थित होते हैं। पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि इस बार नौतपा के बीच 2 मंगलवार आ रहे हैं। इस दौरान तापमान में भारी बढ़ोतरी, लू, आगजनी और आपदा जैसी स्थितियां बन सकती है।

इन नौ दिनों में तापमान बना सकता है नया रिकॉर्ड

59 दिन का ज्येष्ठ, 8 बड़े मंगल का महासंयोग

पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि इस बार भी 25 मई से 2 जून तक रहने वाले नौतपे में तेज गर्मी के साथ आंधी, बवंडर और हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है। इन नौ दिनों में तापमान नए रिकॉर्ड बना सकता है और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। वर्ष 1999 में ज्येष्ठ अधिकमास रहा है और नौतपा में 2 मंगलवार का भी संयोग बना था, जो इस साल भी पड़ रहे हैं। नौतपा के दौरान मिथुन राशि में गुरु व शुक्र का योग बनेगा।



हारसिंग बोर्ड क्षेत्र में शाम 4.50 बजे भी तेज गर्मी महसूस हो रही थी।

सनसेट पॉइंट बड़े तालाब के किनारे से निकाली जलकुंभी, घास

भोपाल। बिहार फाउंडेशन भोपाल चैप्टर एवं भोजपुरी एकता मंच समिति भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में नगर पालिका निगम भोपाल के सहयोग से सनसेट पॉइंट छठ घाट

वर्धमान पार्क बड़ी झील के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किनारे पानी में से जलकुंभी एवं घास इत्यादि सामूहिक श्रमदान से झील की साफ सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से कुंवर प्रसाद, विमल कुमार सिंह, अकबर खान, मोहन जायसवाल, आमिर खान, अशोक साखले, ताज मोहम्मद, जीतू कुमार इत्यादि दोनों संस्थाओं के प्रमुख रूप से सदस्य उपस्थित रहे।



सनसेट पाइंट छठ घाट वर्धमान पार्क बड़ी झील के संरक्षण के लिए श्रमदान करते कार्यकर्ता।

ख़बर संक्षेप

हमीदिया गुरुद्वारे में गुरुमत सिखिया कैप 1 जून से
भोपाल। गुरुद्वारा नानकसर हमीदिया रोड पर सिख गुरुमत सिखा कैप का आयोजन किया जाएगा। यह पहली दफा है, जब इस कैप प्रदेश भर के बच्चों और युवा भी भाग लेंगे। प्रबंध कमेट्री के अध्यक्ष परमवीर सिंह ने बताया कि शिविर में गुना, अशोक नगर, इंदौर, रायसेन, विदिशा, सीहोर समेत प्रदेश भर के तकरीबन 500 बच्चों और युवा भी भाग लेंगे। इसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं को गुरुमुखी भाषा सिखाना है। साथ ही शुद्ध बोलने और लिखने की प्रेरणा देना है।

हरदा के डायल-112 ने रेलवे ट्रैक पर खड़े व्यक्ति की सतर्कता से बचाई जान
भोपाल। हरदा जिले के थाना टिमरनी क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता, सतर्कता एवं संवेदनशीलता कार्रवाई से रेलवे ट्रैक पर खड़े एक व्यक्ति की समय रहते जान बचाई गई। त्वरित हस्तक्षेप एवं समझाइश के माध्यम से पीड़ित व्यक्ति को सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया गया। दरअसल, 22 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना टिमरनी क्षेत्र के तहत रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक पर खड़ा है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है।

गंभीर बीमारियों के प्रति आम लोगों को किया जागरूक ‘राइजिंग मध्यप्रदेश 2026’: रक्तदान, कैंसर जागरूकता सेवाओं में लोगों ने दिखाई रुचि

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

गोविंदपुरा स्थित एमएसएमई एक्जीबिशन सेंटर में तीन दिवसीय ‘राइजिंग मध्यप्रदेश 2026’ प्रदर्शनी में बीएमएचआरसी द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बीएमएचआरसी की टीम द्वारा लोगों को सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर एवं अन्य बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने लोगों को समय पर जांच एवं जागरूकता के महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन कर नेपदान के प्रति जागरूक करते हुए लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया गया।



प्रदर्शनी में बीएमएचआरसी ने स्वास्थ्य जागरूकता का आयोजन किया गया।

रक्त जांच शिविर का भी आयोजन
बीएमएचआरसी के पैथोलॉजी विभाग द्वारा रक्त जांच सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। साथ ही रक्तदान शिविर भी लगाया गया, जिसमें लोगों ने बहुचर्चक हिस्सा लिया। टीबी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत लोगों को तपेदिक की रोकथाम, जांच एवं उपचार संबंधी जानकारी दी गई।

मुस्लिम परिवार ने पेश की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी में फिर एक बार मानवता और अंगदान की प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली है। यह कहानी है एक मुस्लिम



परिवार की है, जिन्होंने अपने ब्रेन डेड महिला मरीज के कैडेवर लिवर एवं किडनी गंभीर मरीजों को दान की और उन्हें नया जीवन दिया। दरअसल, बंसल हॉस्पिटल में एक मुस्लिम परिवार की केरल निवासी महिला 42 वर्षीय सजना एसए को गंभीर ब्रेन हेमरेज की स्थिति में 15 मई को भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान चिकित्सकों द्वारा उन्हें ब्रेन स्ट्रेम डेड घोषित किया गया। श्रीमती सजना के परिवार को इस कठिन स्थिति के बारे में पूरी तरह से समझाया गया और ब्रेन स्ट्रेम डेथ की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।



सजना के शव को अंतिम विदाई देते अस्पताल स्टाफ और परिजन।

परिवार का निर्णय प्रेरणादायक

बंसल हॉस्पिटल की ट्रांसप्लांट टीम ने बताया कि अंगदान किसी भी व्यक्ति के लिए जीवन बचाने का सबसे बड़ा उपहार है। अस्पताल प्रशासन ने दिवंगत महिला के परिवार के इस महान निर्णय को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी विदाई

अंतिम विदाई के समय सजना एसए के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान एवं श्रद्धा के साथ पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर अस्पताल परिसर से अंतिम यात्रा के लिए रवाना किया गया। बंसल हॉस्पिटल ट्रांसप्लांट एवं अंगदान जैसे महान निर्णय के लिए परिजनों का सम्मान किया गया। यह भावुक क्षण न केवल अंगदान के महत्व को दर्शाता है, बल्कि समाज में मानवता, संवेदना और गंगा-जमुनी तहजीब की प्रेरणादायक मिसाल भी प्रस्तुत करता है। इसी के साथ बंसल हॉस्पिटल, भोपाल ने 51+ सफल लिवर ट्रांसप्लांट एवं 510+ सफल किडनी ट्रांसप्लांट के साथ मध्य भारत में ट्रांसप्लांट सेवाओं में अपनी विश्वसनीय पहचान स्थापित की है।

सेवाभाव की अद्भुत मिसाल की पेश

परिवार ने मानवता की सेवा में अपना योगदान देते हुए स्वेच्छा से अंगदान करने का निर्णय लिया। परिजनों की सहमति के बाद अस्पताल की ट्रांसप्लांट टीम एवं अधिकृत प्राधिकरण की निगरानी में अंगदान प्रक्रिया पूरी की गई। इनमें एक लिवर एवं किडनी का आवंटन बंसल हॉस्पिटल को दान की गई, जबकि दूसरी किडनी का आवंटन भोपाल के एक निजी अस्पताल को किया गया।

मेनिट ऑडिटोरियम में संपन्न किया गया गरिमामयी आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के पूर्व छात्रों के संगठन ग्लोबल मैनिट एलुमनी एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को मैनिट ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। वर्ष 1982 बैच के इंजीनियर मनोज कुकरेजा ने ग्लोबल मैनिट एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। समारोह में मैनिट के निदेशक प्रो. केके शुक्ला ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी परिषद के सदस्यों को शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में मनोज कुकरेजा- अध्यक्ष, विकास सिंह - उपाध्यक्ष, विलास वरकडर- सचिव, अरुण कुमार गुप्ता- संयुक्त सचिव, अनूप आर्य- कोषाध्यक्ष के पद की शपथ ली।

पूर्व एवं वर्तमान छात्रों के बीच सेतु का कार्य करेगा एसोसिएशन ग्लोबल मैनिट एलुमनी एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष-कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ-ग्रहण समारोह

◆ वर्ष 1982 बैच के इंजीनियर मनोज कुकरेजा बने एसोसिएशन के अध्यक्ष

◆ स्टार्टअप सपोर्ट, इंडस्ट्री कनेक्टिविटी को करेगा और अधिक मजबूत



शपथ ग्रहण करते मैनिट एलुमनी एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य।

समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे

इस अवसर पर ग्लोबल मैनिट एलुमनी एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। इनमें वरुण नामदेव, धीरज नागवे, अरुण कुमार सिंह, रोशन पांडेय, ममता मलवी, शुभलक्ष्मी तिवारी, सौम्या त्रिपाठी, ललित एन. त्रिपाठी, उदय रेड्डी, नवीन वर्मा, अमिनव पठागिया, मोहित परोहा, वितेक त्यागी, सौरभ जैन एवं प्रमोद कुमार चतुर्वेदी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

80 पूर्व छात्रों की सहभागिता से बनेंगी समितियां

नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज कुकरेजा ने कहा कि एसोसिएशन पूर्व छात्रों और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेगी। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए जॉब्स, इंटरशिप, इंडस्ट्री कनेक्ट, स्टार्टअप सपोर्ट आदि को और अधिक सशक्त बनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में एसोसिएशन द्वारा करीब 80 पूर्व छात्रों की सहभागिता से विभिन्न समितियों का गठन किया गया है।

मिनी लता और हास्य कवि बैरागी ने बांधा समां ‘वैष्णोत्सव 2026’: डांस, रैंपवॉक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मना स्थापना दिवस



कार्यक्रम में इन सदस्यों को सम्मानित किया गया।



गीतों की प्रस्तुति देती इशिता।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

वैष्णवी ग्रुप का स्थापना दिवस ‘वैष्णोत्सव 2026’ शनिवार को छात्र-छात्राओं द्वारा डांस, रैंपवॉक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ धूमधाम से मनाया गया। ‘वैष्णोत्सव 2026’ का मुख्य आकर्षण सारांगमा फेम मिनी लता के नाम से प्रसिद्ध गायिका इशिता विश्वकर्मा और हास्य कवि विकास बैरागी रहे। जिनकी शानदार प्रस्तुतियों पर छात्र-छात्राएं और पूरा परिसर झूम उठा। पूरे परिसर में संगीत और उत्साह का अनूठा माहौल देखने को मिला।

व्यंग्य कविताओं ने गुदगुदाया

कार्यक्रम का शुभारंभ वैष्णवी सेवा एवं शिक्षा समिति के प्रमुख हेमराज पाटीदार व विष्णु पाटीदार द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। राष्ट्रीय युवा हास्य कवि विकास बैरागी ने अपनी हास्य एवं व्यंग्य कविताओं से सभी को खूब गुदगुदाया।

जल गंगा संवर्धन के तहत गंगा दशमी पर्व पर कल होंगे पूरे प्रदेश में कार्यक्रम

मंत्री और विधायक जिला स्तरीय कार्यक्रम में लेंगे बढ़-चढ़कर हिस्सा

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

मग्न में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंगा दशमी पर के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 25 मई को कार्यक्रम आयोजित होंगे। राज्य शासन ने समस्त जिलों में गंगा दशमी पर्व पर आयोजित गतिविधियों एवं कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले मुख्य अतिथियों की सूची जारी की है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा, मंत्री डॉ. विजय शाह रतलाम, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार, मंत्री प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर, मंत्री राकेश सिंह जबलपुर, मंत्री करण सिंह वर्मा सिवनी, मंत्री उदय प्रताप सिंह नर्मदापुरम, मंत्री तुलसीराम



डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल रीवा के कार्यक्रम में शामिल होंगे।



मंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

सिलावट देवास, मंत्री एदल सिंह कंषाना मुरैना, मंत्री निर्मला भूरिया झाबुआ, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सागर, मंत्री विश्वास

कैलाश सारंग विदिशा, मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा निवाडी, मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, मंत्री राकेश शुक्ला भिंड, मंत्री चेतन्य काश्यप भोपाल और मंत्री इंद्र सिंह परमार आगर-मालवा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसी प्रकार राज्यमंत्री कृष्णा गौर सीहोर, राज्यमंत्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी खंडवा, राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल मंडला, राज्यमंत्री गौतम टेटवाल उज्जैन, राज्यमंत्री लखन पटेल दमोह, राज्यमंत्री नारायण सिंह पंचार राजगढ़, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सतना, राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार अनुपपुर और राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बैतूल के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

खबर संक्षेप

तीन एमएसएमई इकाइयों ने डिफेंस टेक में किया मग्न का प्रतिनिधित्व

भोपाल। मग्न की रक्षा उत्पाद से जुड़ी 3 एमएसएमई इकाइयों ने बेंगलुरु में संपन्न हुए तीन दिवसीय डिफेंस टेक भारत डिफेंस भारत 2026 में सहभागिता कर मध्यप्रदेश के सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के प्रयासों को प्रदर्शित किया। उद्योग आयुक्त दिलीप कुमार ने बताया कि विभाग की ओर से सहभागी इकाइयों को प्रदर्शनी में स्टॉल सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश की इकाइयों को अपने उत्पादों एवं तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में नए व्यावसायिक अवसरों एवं संभावित साझेदारियों से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा में 5 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की सहमति से अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने मोर्चा के जिला अध्यक्षों की घोषणा की है, जिसके अनुसार, उज्जैन नगर और ग्रामीण सहित पांच जिलों में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। इसमें उज्जैन नगर के लिए जितेंद्र भाटी, उज्जैन ग्रामीण में लक्ष्मीनारायण मालवीय, दमोह में बृजेंद्र अहिरवार, मेहर में दीपक चौधरी और जबलपुर नगर में जागेश समुद्रे की नियुक्ति की गई है।

मांगों को लेकर वन भवन का घेराव करेंगे वन सुरक्षा श्रमिक

भोपाल। मग्न के वन विभाग में कार्यरत वन सुरक्षा श्रमिक अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर जून के पहले सप्ताह में वन भवन का घेराव करेंगे। मग्न वन सुरक्षा श्रमिक मंच के अध्यक्ष अरुण पांडे ने बताया कि वन विभाग में कार्यरत वन सुरक्षा श्रमिकों की पांच सूत्रीय मांगों को विभाग के अधिकारी लगातार अनदेखा कर रहे हैं। पांडे ने कहा कि कई बार जापान सीपेन के बाद भी विभाग के अधिकारी वन सुरक्षा श्रमिकों को पर्याय भुगतान, पीएफ सुविधा का लाभ, मेडिकल बीमा, वेतन बढ़ोतरी ईडी कार्ड सुविधा और बकाए वेतन का भी भुगतान नहीं कर रहे हैं। मांगों का निराकरण नहीं होने से वन सुरक्षा श्रमिकों में भारी आक्रोश है। इसलिए अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर जून के पहले सप्ताह में वन सुरक्षा श्रमिक वन भवन का घेराव कर प्रदेश के वन बल प्रमुख को पांच सूत्रीय मांगों से अवगत कराएंगे।

गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित तीन दिवसीय एक्सपो में मंत्री परमार हुए शामिल

राइजिंग मध्यप्रदेश के विजन के साथ निवेश, नवाचार एवं रोजगार के नए अवसर हो रहे सृजित

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष्य मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज उद्योग, कृषि, तकनीक एवं ऊर्जा के क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राइजिंग मध्यप्रदेश के विजन के साथ प्रदेश में निवेश, नवाचार एवं रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मंत्री गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं भारतीय मीडिया एंड इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में एमएसएमई एजीबिशन सेंटर, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित तृतीय संस्करण इंडिया इंडस्ट्रियल मशीनरी एंड टूल्स एक्सपो-2026 तथा भारत सोलर एंड ईवी एक्सपो-2026 के द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मंत्री परमार ने प्रदर्शनी में लगी विभिन्न औद्योगिक मशीनरी, आधुनिक उपकरणों, सोलर तकनीक एवं ईवी सेंक्टर से संबंधित स्टॉलों का अवलोकन किया।



डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल रीवा के कार्यक्रम में शामिल होंगे।



मंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

सिलावट देवास, मंत्री एदल सिंह कंषाना मुरैना, मंत्री निर्मला भूरिया झाबुआ, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सागर, मंत्री विश्वास

कैलाश सारंग विदिशा, मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा निवाडी, मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, मंत्री राकेश शुक्ला भिंड, मंत्री चेतन्य काश्यप भोपाल और मंत्री इंद्र सिंह परमार आगर-मालवा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसी प्रकार राज्यमंत्री कृष्णा गौर सीहोर, राज्यमंत्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी खंडवा, राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल मंडला, राज्यमंत्री गौतम टेटवाल उज्जैन, राज्यमंत्री लखन पटेल दमोह, राज्यमंत्री नारायण सिंह पंचार राजगढ़, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सतना, राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार अनुपपुर और राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बैतूल के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

सीएम बोले, प्रदेश सरकार अंत्योदय और विकास के पथ पर कर रही अभूतपूर्व कार्य

विंध्य बन रहा है रिन्यूएबल एनर्जी का हब, सिंगरौली प्रदेश का ग्रोथ सेंटर

मध्यप्रदेश का पावर हाउस है सिंगरौली, अब बनेगी गोल्ड सिटी, इसके विकास के लिए नहीं रखेंगे कोई कसर

25 मई को भव्य रूप से मनाया जाएगा प्रदेशव्यापी गंगा दशहरा महोत्सव

मुख्यमंत्री ने 24 लाख बहनों के खातों में अंतरित की 115 करोड़ की गैस रिफिलिंग राशि

33.71 लाख हितग्राहियों को 202.26 करोड़ की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि भी अंतरित की

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मई के महीने में प्रदेश की बहनों को डबल सौगात मिली है। इसी माह 13 तारीख को प्रदेश की सवा करोड़ बहनों के खातों में लाइली बहना के 1500-1500 रुपये पहुंचे हैं और आज (23 मई को) गैस सिलेंडर भरवाने की सब्सिडी राशि भी उन्हें मिल रही है। वृद्धजनों के सम्मान में भी सरकार ने कभी कोई कमी नहीं की। इसी कार्यक्रम के जरिए प्रदेश के 33 लाख 71 हजार से अधिक पात्र हितग्राहियों को अप्रैल माह की 202 करोड़ 26 लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि, भेजी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सिंगरौली नगर के एनसीएल ग्राउण्ड में महिलाओं को गैस रिफिलिंग सब्सिडी एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि वितरण तथा विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन के राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से पात्रानुसार राशि का अंतरण संबंधित हितग्राहियों के खातों में किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अंत्योदय और विकास के पथ पर अभूतपूर्व कार्य कर रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण और गांवों की गली-गली का विकास ही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यदि हमारा विंध्य क्षेत्र प्रगति, उन्नति, पर्यटन और आधुनिक अधोसंरचनाओं के विकास की नई कहानी लिख रहा है, तो इसका केंद्र बिन्दु सिंगरौली ही है। उन्होंने कहा कि विंध्य अब रिन्यूएबल एनर्जी का भी हब बन रहा है। रीवा जिले में एशिया के सबसे बड़े सोलर पार्क का प्लांट बना है। जल्द ही यह क्षेत्र एनर्जी-इंडस्ट्री-रिस्पिरिचुअल कॉरिडोर के रूप में उभरेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोयला किंग सिंगरौली अब गोल्ड सिटी बनने जा रही है। सिंगरौली में प्रदेश के पहले चक्रिय गोल्ड ब्लॉक के लिए अनुबंध हो चुका है। मुख्यमंत्री ने सिंगरौली गौरव दिवस की पूर्व संस्था अवसर पर पूरे जिले को 552 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत वाले 71 विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात दी। सिंगरौली जिले का गठन 24 मई 2008 को किया गया था। यह राज्य का 50 वां जिला है। इसका जिला मुख्यालय वैदना (बैदना) में स्थित है। मुख्यमंत्री ने यहां 486 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से 50 विकास कार्यों का भूमि पूजन तथा 65 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से 21 नवनिर्मित विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इनमें सीएसआर के तहत 19 करोड़ 83 लाख रुपये की लागत वाले 4 विकास कार्यों (सिंगरौली में 13.30 करोड़ से स्पोर्ट्स काम्पलेक्स के निर्माण सहित) का भूमि पूजन भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने मंच से शासन की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाम भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने विद्यांग भाई-बहनों को ट्रॉफ़ याचकिल देकर उनके जीवन में सुशियों का नया रंग भर दिया। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की ओर से की गई विभिन्न मांगों के संबंध में कहा कि आपकी भावना ही हमारी भावना है। क्षेत्र के विकास के लिए जो भी मांग की गई है, वे सभी पूरी की जाएंगी। देश की आजादी के बाद के 55 साल के प्रदेश में बिजली का उत्पादन सिर्फ 5000 मेगावाट हुआ करता था। लेकिन बीते 20 सालों में ही हमारी सरकारों के कार्यों में प्रदेश का बिजली उत्पादन बढ़कर 25 हजार मेगावाट से अधिक हो गया है। अब दिल्ली की मेट्रो ट्रेन भी मध्यप्रदेश में पैदा हुई बिजली से चल रही है। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं सिंगरौली जिले की प्रमारी मंत्री श्रीमती सम्प्रतियाइक्रे, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्रीमती तथा सिंह समेत बड़ी संख्या में अन्य लोग मौजूद थे।

आत्मा परियोजना के संविदाकर्मियों का हुआ वेतन समकक्षता निर्धारण

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल



मध्य प्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौड़ एवं कृषि तकनीकी संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ बैजनाथ सिंह यादव ने बताया कि कृषि विभाग की आत्मा योजना में काम करने वाले 450 संविदा कर्मचारी के वेतन का समकक्षता का निर्धारण 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति के तहत कर आदेश जारी हो गए हैं। रमेश राठौड़ ने बताया कि 22 जुलाई 2023 को मग्न सामान्य प्रशासन विभाग ने एक आदेश जारी किया था जिसमें संविदा कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के पदों के समान न्यूनतम वेतन देकर वेतन निर्धारण किया जाना था। तीन वर्ष बीतने के बाद भी कृषि विभाग की आत्मा योजना की संविदा कर्मचारियों को उसका लाभ नहीं दिया गया था। जिसको लेकर कृषि तकनीकी संविदा कर्मचारी संघ एवं मग्न

संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के द्वारा लगातार कृषि मंत्री, मुख्यमंत्री से 22 जुलाई 2023 की नीति के तहत वेतन वृद्धि समकक्षता निर्धारण करने हेतु आवेदन निवेदन जापन दिया जा रहा था। महासंघ के लगातार प्रयास के बाद कृषि विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं, जिससे आत्मा योजनाओं में कार्यरत संविदा कर्मचारी के वेतन में पांच से सात हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। महासंघ तथा कृषि तकनीकी संविदा कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कुलदीप सिंह गुजर का अभार व्यक्त किया है।

अविद्युतीकृत घरों का सर्वे कर तैयार हो डेटा

जिन घरों में बिजली नहीं, उनका सर्वे कर तैयार करें, प्रस्ताव भेजें

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

भारत सरकार के ऊर्जा सचिव फंकट अग्रवाल ने मग्न पूर्व क्षेत्र विद्युत विद्युत वितरण कंपनी के तहत संचालित आरडीएसएस कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में स्मार्ट मीटरिंग, फीडर सेपरेशन, पीएम कुसुम योजना, वन क्षेत्र विद्युत अधोसंरचना तथा डिजिटल विद्युत प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

ऊर्जा सचिव अग्रवाल ने निर्देश दिए कि कंपनी क्षेत्र में शेष अविद्युतीकृत घरों का सर्वे शीघ्र पूर्ण कर उनका डेटा तैयार किया जाए तथा डीपीआर को अंतिम रूप देकर प्रस्ताव तैयार किए जाएं, जिससे पात्र घरों तक विद्युत सुविधा पहुंचाई जा सके। अग्रवाल ने आरडीएसएस योजना अंतर्गत फीडर सेपरेशन में शामिल 874 फीडरों को पीएम कुसुम योजना से जोड़कर

लाभान्वित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही वन्य जीव अभयारण्य क्षेत्रों से गुजरने वाली एलटी लाइनों के केबलकुरण के निर्देश देते हुए कहा कि इससे वन्य जीवों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

बैठक में आरडीएसएस योजना के तहत पूर्व क्षेत्र कंपनी के 41 ऐसे प्रकरणों की भी समीक्षा की गई, जिनमें वन विभाग की स्वीकृति लंबित है। ऊर्जा सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रकरणों में वन मंत्रालय स्तर पर सतत फॉलोअप किया जाए। समीक्षा के दौरान स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली में एआई एवं मशीन लर्निंग आधारित विश्लेषण प्रणाली की विशेष प्रस्तुति दी गई। अधिकारियों ने बताया कि एआई आधारित तकनीकों के माध्यम से विद्युत चोरी की संभावनाओं की पहचान अधिक प्रभावी ढंग से की जा रही है।

स्थानीय लोगों की भागीदारी से मिली प्रोजेक्ट को ताकत बंजर जमीन पर हरियाली लाने आईपीएस राजाबाबू सिंह को जैव विविधता पुरस्कार

पौधरोपण के साथ बनाए गए वर्षा जल संचयन के ढांचे पर्यावरण संरक्षण में पुलिस ने पेश किया अनूठ उदाहरण विशेष प्रतिनिधि►►भोपाल

भारतीय पुलिस सेवा के इतिहास में संभवतः पहली बार आईपीएस अधिकारी राजा बाबू सिंह को पर्यावरण बहाली के लिए राज्य जैव विविधता पुरस्कार से नवाजा गया है। मग्न के जैव विविधता बोर्ड द्वारा यह पुरस्कार ग्वालियर के पीटीएस तिघरा में 172 एकड़ बंजर जमीन को हरे-भरे इकोसिस्टम में बदलने के लिए दिया गया है। ग्वालियर के पीटीएस तिघरा में यह जमीन बंजर पड़ी थी। राजा बाबू सिंह की अगुवाई में इस पूरी जमीन को हरियाली में तब्दील कर दिया गया। इसके लिए वैज्ञानिक तरीकों से पारिस्थितिकी बहाली का काम हुआ और स्थानीय लोगों की भागीदारी से पूरे प्रोजेक्ट को ताकत मिली।

हजारों पौधे लगाने के साथ किया बहुत कुछ

प्रोजेक्ट के तहत 15 हजार से ज्यादा देसी और फलदार पौधे लगाए गए। इनमें खेजड़ी, पीपू, नीम और गुजर जैसे पौधे शामिल हैं। इसके अलावा औषधीय पौधे भी लगाए गए। वैक्टोर धार भी बड़े पैमाने पर पौधे लगाए गई। इससे मिट्टी की सेहत बेहतर हुई, पानी का संरक्षण हुआ और कार्बन अवशोषण में मदद मिली। खास बात यह है कि प्रोजेक्ट सिर्फ पौधरोपण तक सीमित नहीं था। इसमें वर्षा जल संचयन के ढांचे भी बनाए गए। मौसमी नालों पर बंधन बनाए गए। बीज प्रसारण और चॉप-एंड-ड्रॉप तकनीक से खराब हो चुकी जमीन को फिर से जिंदा किया गया। पक्षियों, तितलियों और स्थानीय जैव विविधता को बचाने की भी कोशिश की गई। इस पूरे काम ने यह साबित किया कि पुलिस भी पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा सकती है।

पर्यावरण को बचाना भी समाज की रक्षा

आईपीएस राजा बाबू सिंह ने यह साबित कर दिया कि वनों का काम सिर्फ कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है। पर्यावरण को बचाना भी समाज की रक्षा करना है। उनका यह प्रोजेक्ट अब एक जन आंदोलन की शक्ल ले रहा है। खास बात यह है कि यह पूरा प्रोजेक्ट जीरो बजट मॉडल पर चला। यानी सरकारी खजाने से अलग से कोई बड़ी रकम खर्च नहीं हुई। जागरूकता मागीदारी से यह काम पूरा हुआ। यह मॉडल अब देशभर के लिए एक उदाहरण बन गया है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि इकअथवित हो तो बिना पैसे के भी बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। राजा बाबू सिंह का यह मिशन ग्वालियर तक सीमित नहीं रहा। अब इसी तरह के प्रोजेक्ट पीटीएस सागर, इंदौर की दाबूनी रेंज और देवास हिल पर भी शुरू हो चुके हैं। पुलिस, जनता और प्रकृति मिलकर काम करें तो नतीजा कितने बेहतर हो सकता है, यह इस प्रोजेक्ट से स्पष्ट हो गया है।

भाजपा संरक्षण में फल-फूल रहा प्रदेश का टैंकर माफिया

प्रदेश में जल संकट भयावह, भाजपा सरकार पूरी तरह विफल: पटवारी



हैं और नागरिक पानी की मांग को लेकर भाजपा विधायकों के घरों तक धरना देने पहुंच रहे हैं।

आदिवासी बच्चियों की मौत पर गहरा शोक

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने रायसेन जिले में पानी की तलाश के दौरान कुएँ में डूबने से तीन आदिवासी बच्चियों की दर्दनाक मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत हृदयविदारक और सरकार की विफलता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने दिवंगत बच्चियों की आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। पटवारी ने कहा कि प्रदेश में अब पानी तक पहुंच बनाने का प्रयास भी जललेवा होता जा रहा है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार तत्काल जल संकटग्रस्त जिलों में आपात व्यवस्था लागू करे, टैंकर माफिया पर सख्त कार्रवाई करे, जलपूर्ति व्यवस्था की निगरानी के लिए जवाबदेही तय करे तथा रायसेन की पटना की उच्चस्तरिय जांच कर पीछित परिवारों को उचित मुआवजा प्रदान करेंगे।

स्थानीय निकाय पूरी तरह निष्क्रिय

पटवारी ने कहा कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, खतरपुर, टीकमगढ़, रीवा, सतना, मुरैना, शिवपुरी, खरगोन, बड़वानी और धार सहित प्रदेश के अनेक जिले गंभीर जल संकट की घंटी में हैं। स्थानीय निकाय पूरी तरह निष्क्रिय हैं और सरकार का पूरा तंत्र गहरी नींद में सोया हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के संरक्षण में प्रदेशभर में टैंकर माफिया सक्रिय हैं, जो जल संकट जैसी आपदा में भी अवसर तलाश रहा है।

कतारों में खड़ी जनता को बांटी 'मेलोडी टॉफी' पेट्रोल सप्लाई टप होने से बंद पड़े पेट्रोल पंपों पर कांग्रेस ने किया अनोखा प्रदर्शन

पीएम रील बनाने में मशगूल, जनता पेट्रोल को मोहताज: शुक्ला

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल



एक तरफ जहां देश और प्रदेश की राजधानी भोपाल की जनता पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत और टप पड़ी सप्लाई के कारण त्रस्त है, वहीं दूसरी तरफ केंद्र की भाजपा सरकार देश की बुनियादी समस्याओं को भूलकर केवल इवेंट मैनेजमेंट में व्यस्त है। जनता की इसी बेबसी और सरकार की संवेदनहीनता को उजागर करने के लिए शनिवार को कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व एक अमृतदा और तीखा विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस प्रदर्शन में नशर के बंद पड़े पेट्रोल पंपों के बाहर ईंधन के लिए घंटों से कतारों में खड़े परेशान

नागरिकों को 'मेलोडी टॉफी' बांटी। इस दौरान लाउडस्पीकर पर 'मोदी है तो मुमकिन है' 'मेलोडी खाओ सब भूल जाओ' का ब्यंग्यात्मक गाना बजाकर केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं पर करारा तंज कसा गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने केंद्र और राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आज देश का आम नागरिक, नौकरीपेशा, मजदूर और छात्र पेट्रोल पंपों के चक्कर काट रहे हैं, सप्लाई चैन पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। लेकिन हमारे देश के प्रधानमंत्री को देश की जनता की इस तकलीफ से कोई संरोक नहीं।

पेज एक का शेष

पवित्र गुफा में 6 से 7 ...

9 किमी और नुनवान-पहलगाम मार्ग पर 8 किमी ट्रेक से बर्फ हटाई जा चुकी है। ट्रेक को 12 फीट चौड़ा करने, सतह सुधारने, रिटेनिंग वॉल और कल्चर्ट बनाने का काम भी चल रहा है। इस बार बेस कैंप में टेंट की जगह प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं। बालटाल और नुनवान रास्तों के दोनों ट्रेक को चौड़ा किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ..

ओर से दिए गए आवेदन पर कोर्ट ने समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने के भी आदेश दिए हैं। शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे पुलिस समर्थ को जबलपुर से भोपाल लेकर पहुंची थी। उसके कटारा हिल्स थाने में रखा गया। थाने के बाहर बैरिकेडिंग कर फोर्स तैनात रही।

कोर्ट में पेश करने से पहले पुलिस ने भोपाल के जेपी हॉस्पिटल में उसका मेडिकल टेस्ट भी कराया। दिवशा के शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम रविवार को होगा। इसके लिए एम्स दिल्ली ने चार वरिष्ठ डॉक्टरों की मेडिकल टीम बनाई गई है। यह टीम आधुनिक उपकरणों के साथ राज्य सरकार के चार्टर्ड विमान से शनिवार देर रात भोपाल पहुंच गई। एसीपी रजनीश कश्यप कौल ने नेतृत्व में एसआईटी मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि समर्थ से विस्तृत पूछताछ की जाएगी। घटना वाले दिन की फुटेले की पूछी जाएगी। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि फरारी के दौरान वह कहाँ-कहां रहा और किन लोगों ने उसकी मदद की? इधर, दिवशा के आखिरी मेकअप का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें वह सरसाल के पास स्थित एक ब्यूटी पार्लर में तैयार होती नजर आ रही है। भोपाल के कटारा हिल्स स्थित दिवशा के घर के छत के उस हिस्से की तस्वीर भी सामने आई है, जहां उसका शव मिला था। जांच में यह भी सामने आया कि दिवशा ने 12 मई को सुबह 9:52 बजे भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस में रिजर्वेशन कराया था। वह 15 मई को अजमेर जाने वाली थी, जहां उसके भाई मेजर हर्षित शर्मा की पोस्टिंग है।

फरारी के दौरान समर्थ ने ...

तक पुलिस हर एंगल से जांच जारी रखेगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पोस्टमॉर्टम का विषय ...

होगी, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। परिजनों का आरोप है कि दिवशा की असल हाइट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लिखी गई हाइट में फर्क है। दिवशा की हाइट 5.73 इंच है जबकि पीएम रिपोर्ट में 5.7 इंच लिखी गई है। इस पर पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने तर्क दिया कि इससे जांच में कोई असर नहीं पड़ता है।

हम गिरिबाला ...

उनको तीन बार नोटिस दे चुके हैं। वे पूछताछ के लिए नहीं आई हैं इसीलिए उनकी अग्रिम जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट में आवेदन दिया है।

राज्य सरकार अब ...

भुगतान कर चुकी है। गेहूं खरीदी आगे 28 मई तक होने की स्थिति में सरकार को कम से कम दो से ढाई हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त जरूरत पड़ेगी। यदि बैंकों से वह ऋण के रूप में राशि ली गई तो इतने राशि का ब्याज खर्च मग्न सरकार को देना पड़ेगा। इससे सरकार पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। अब राज्य सरकार अपने फंड से किसानों का गेहूं खरीदेगी।

क्या आपको अपनी लाइली के लिए अच्छा वर चाहिए...

तो हमसे जुड़िए...

या आपको तलाक़ है... एक अच्छी बहु की...

हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए

बंगाली कायस्थ विधुर

पुरुष उम्र 54 वर्ष के लिए

एक तलाक़शुदा, विधवा

महिला की आवश्यकता है

हिंदी भाषी एवं सभी वर्ग

की, जाति बंधन नहीं

-: संपर्क करें :-

9300512198

7024352318

वधु चाहिए

सोनी वधु चाहिए

वर का विवरण

आयु - 37वर्ष

ऊँचाई - 5'5"

शिक्षा - 8वीं

व्यवसाय - goldsmith

जाति - soni (sonar)

वैवाहिक स्थिति- अविवाहित वर

हेतु अपेक्षा संस्कारी एवं परिवारिक वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं

सम्पर्क सूत्र- 7000468577

8103373219, 8319146219

शब्द पहेली - 6235

	1		2		3		4		5	6
7					8				9	
			10				11		12	
13					14				15	16
					17				18	
19	20		21		22		23		24	
					25					
26			27		28				29	
			30	31	32		33			
34	35		36						37	
38					39					

3 छात्राएं 1 किमी दूर ...

सहेली को बचाने के लिए दूसरी और फिर तीसरी छात्रा भी कुएं में कूद गई, लेकिन गहरे पानी में तीनों की डूबने से मौत हो गई। रायसेन हादसे में मृत छात्राओं की पहचान राधा पिता हलके राम (12), अमृता पिता रामगोपाल (12) और तनु पिता हलके राम (13) के रूप में हुई है। राधा और अमृता पांचवीं कक्षा में पढ़ती थीं, जबकि तनु आठवीं की छात्रा थी। तनु और राधा सभी बहनें थीं। घटना के समय चौथी छात्रा अमीना भी मौके पर मौजूद थी। उसने गांव पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद गांववाले बचियों को कुएं से निकालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

पेमेंट गेटवे में गड़बड़ी ...

तकनीकी गड़बड़ियों के कारण छात्रों और अभिभावकों को अलग-अलग और चौंकाने वाली फीस दिखाई देने लगी। किसी छात्र को री-इवेल्यूएशन के लिए सिर्फ एक रुपये का शुल्क दिखा, तो किसी से एक विषय की उत्तरपुस्तिका के लिए 69 हजार रुपए से अधिक मांगे गए। सोशल मीडिया पर वायरल स्क्रीनशॉट्स में कई छात्रों ने दावा किया कि उत्तरपुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी लेने के लिए फीस अचानक बदल रही थी। कुछ मामलों में यह राशि 69.7 दिखाई दी, जबकि कुछ छात्रों के लिए 8 हजार प्रति विषय और कुछ के लिए 69,420 तक का शुल्क दिखाया गया। एक वायरल स्क्रीनशॉट में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और इंग्लिश कोर विषयों के लिए 69,420 प्रति विषय शुल्क दिखने का दावा किया गया। इससे कुल राशि लाखों रुपये तक पहुंच गई। वहीं कुछ छात्रों ने दो विषयों के लिए 16 हजार और तीन विषयों के लिए 24 हजार शुल्क दिखने की शिकायत की।

देवास की ...

एडमिट एक मरीज की सोमवार रात मौत हो गई थी। सोमवार को जिस मरीज की मौत हुई थी उसका नाम राम (20) पिता मुकेश कुमार था। हादसे में घायल विशाल (25) को सिर में गंभीर चोट आने के बाद न्यूरो सर्जरी वार्ड में एडमिट है। धमके के दौरान विशाल दूर जाकर गिर पड़ा था, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और खून का थक्का जम गया। विशाल की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। विशाल को रविवार दोपहर 1 बजे बाद डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

लेह में सेना का ...

मेजर सिंगल-इंजन चॉपर चला रहे थे, जबकि तीसरी इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल सचिन मेहता पैसेंजर के तौर पर उसमें सवार थे। तीनों को चोटें आईं। क्रैश के बाद मेजर जनरल मेहता और बाकी दो ऑफिसर की एक सेल्फी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। तस्वीर में वे बुरी तरह डैमेज चॉपर के पास चढ़ानों पर बैठे दिख रहे हैं। मुश्किल पहाड़ी माहौल और पुराने चीता फ्लोट पर ऑपरेशनल मांगों को देखते हुए उनके बचने की चमत्कार कहा गया। घटना के कारणों की

ऑफिशियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

डेढ़ साल की बच्ची ...

बाहर से बंद कर गई थी, जिससे बच्चे अंदर ही फंस गए। बच्चों के पिता रामरतन साकेत ने बताया कि उन्हें उनके सुपरवाइजर का फोन आया था, जिसने घर में आग लगने की जानकारी दी। उस समय उनकी पत्नी राशन लेने दुकान गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना का त्वरित संज्ञान लेते हुए इसे अत्यंत हृदय विदारक बताया और शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। मृतक बच्चों के परिजनों को कुल 6-6 लाख के आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसमें 2-2 लाख मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से और 4-4 लाख बिजली कंपनी द्वारा दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, जिला प्रशासन ने 15 हजार अंत्येष्टि सहायता और रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से 20-20 हजार की तत्काल सहायता राशि स्वीकृत कर दी है।

10 दिन में पांच रुपए तक ...

की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं, सीएनजी के दाम भी 1 रुपए बढ़कर दिल्ली में 81.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जिससे सीएनजी में हालिया कुल बढ़ोतरी 4 रुपये प्रति किलो हो गई है। महानगरों की बात करें तो मुंबई में पेट्रोल 108.49 और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। ईंधन की कीमतों में इस भारी बढ़ोतरी का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों का अस्थिर होना है। फरवरी के अंत से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक

मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग (अधीक्षण शाखा) संत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल दूरभाष क्र.- 0755-2512077, 2512076			
क्रमांक एफ 2/2/15/0005/2025/12-1/नाजिर/12432 भोपाल, दिनांक 19/5/226			
// चतुर्थ ई-निविदा सूचना //			
मध्यप्रदेश राज्य मंत्रालय अंतर्गत सामान्य प्रशासन विभाग / मुख्यमंत्री कार्यालय एवं विभागीय अधिकारियों के शासकीय उपयोग के लिए 26 वाहन किराये पर लिये जाने हेतु ऑनलाइन चतुर्थ ई-निविदा ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-			
1	ऑन लाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं निविदा प्रोसेसिंग फीस	रुपए 1000/- + प्रोसेसिंग शुल्क	
2	निविदा फार्म ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभतिथि व समय	दिनांक 20/05/2026 समय अपरान्ह 12:00 बजे से	
3	निविदा फार्म ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 11/06/2026 समय अपरान्ह 12:00 बजे तक	
4	निष्पत्ति अवधि में प्राप्त ऑनलाइन निविदाओं को खोलने की तिथि एवं समय	1. टेनिकल बिड- दिनांक 12/06/2026 समय अपरान्ह 01:00 बजे 2. फायनंशियल बिड-दिनांक 12/06/2026 समय अपरान्ह 01:30 बजे	
5	प्राप्त निविदाएं खोले जाने का स्थान	मंत्रालय स्थित कक्ष क्रमांक- 116 (समिति कक्ष)	
6	निविदाओं को खोलते समय निविदाकारों की उपस्थिति प्राथंन्य है।	मंत्रालय स्थित कक्ष क्रमांक-116 (समिति कक्ष)	
ई-निविदा सूचना में कोई भी संशोधन समझार पत्रों में प्रकाशित न किया जाकर वेबसाईट पर ही जारी किये जायेंगें। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं जानकारी उपरोक्त वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।			
(मनोज श्रीवारतव)		अवर सचिव (अधीक्षण)	
जी- 13300/26		मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग	

स्वच्छता ही सेवा

आवश्यकता है

खरीदना है

बेचना है

व्यापार

चिकित्सा

ज्योतिष

डिलेले विज्ञापन

हरिभूमि

क्लासीफाइड

संपर्क सूत्र : 9407279644

9977912473

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
बसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन,शुन्र,वी.पी. में भी जबदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
90833218330

R-3103/26 to 17/05/26
 not 03,04/026, 04/05/26

हरिभूमि

आय सुधन, कोर्ट नोटिस, इतरतहर,जाहिर सुधन

रु.1200/-

अन्य लाभज में

40

1 अप्रैल 2026 से लागू

सुकिंग के लिए संपर्क करें।

मो. 9977912473

हरिभूमि
 छानर ही मही, फिटर भी

भोपाल बाजार

प्लाट मात्र
3,55,000
हजार में
आसान किश्तों पर

Medical Help Line

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग

सफल ईलाज का 40 वर्षों का अनुभव

Dr. Safi's

HOMEOPATHIC CLINIC

कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।

M : 9425006131, 9827249409

5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सोलत मंजिल पुरानी कछियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	मा	न	त	ता
त	न	ल	ल	मा	ई	श	र		
ज	आ	क	ष	क	न	स	को		
थि	क्र	र	ना	अ	अ	व	ष	ल	
क	क्ष	आ	जी	व	र	न	र		
र	म	ण	यो	ज	व	न	रा		
ह	ह	ज	फ	ल	त	म	ह		
द	ल	ना	ल	त	न	की	न	ह	
ल	क	व्य	त	न	म	न	रा		
ह	ज	रा	ला	मी	ज	ज	ह		
ज	ह	ज	न	ज	हा	वा	ल	न	

शब्द पहेली- 6234 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	मा	न	त	ता
त	न	ल	ल	मा	ई	श	र		
ज	आ	क	ष	क	न	स	को		
थि	क्र	र	ना	अ	अ	व	ष	ल	
क	क्ष	आ	जी	व	र	न	र		
र	म	ण	यो	ज	व	न	रा		
ह	ह	ज	फ	ल	त	म	ह		
द	ल	ना	ल	त	न	की	न	ह	
ल	क	व्य	त	न	म	न	रा		
ह	ज	रा	ला	मी	ज	ज	ह		
ज	ह	ज	न	ज	हा	वा	ल	न	

की वृद्धि हुई है। इसके पीछे अमेरिका-इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए हमले और वैश्विक तेल पारगमन के

जाहिर सूचना
 सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सुबैर खान पुत्र स्व. श्री कदीर खान निवासी मकान नंबर आई-12, सेन्ट्रल ग्रीन कालोनी हाऊसिंग बोर्ड के पास, करोट, भोपाल म.प्र. के बड़े भाई जुबैर खान पुत्र स्व. श्री कदीर खॉन पिछले 2 वर्षों से मेरे पक्षकार से पृथक निवास कर रहा है, जिससे मेरे पक्षकार का कोई सम्बंध सरोकार शेष नहीं है और ना ही कोई जानकारी है, यदि मेरे पक्षकार का बड़ा भाई जुबैर खान किसी शासकीय, अर्ध शासकीय, वित्तीय संस्थान से या किसी व्यक्ति से लेन-देन करता है। या किसी आपराधिक प्रकरण में संलिप्त पाया जाता है तो इसकी समस्त प्रकार की जवाबदारी उसकी स्वयं की होगी इसके लिये मेरा पक्षकार किसी प्रकार से जवाबदार या दायित्वाधीन नहीं होगा ।

भवदीय ए.बी. खान एडवोकेट
 कार्यालय एवं निवास: मकान संख्या 67-B, इमरत निजामुद्दीन कोलोनी, बीएचईएल, भोपाल (म.प्र.)
फोन:- 9826486281

प्रमुख मार्ग होमुज जलडमरूमध्य में शिपमेंट में आई बाधाएं मुख्य वजह हैं। इसके अलावा, कमजोर रुपया और रिफाईनिंग मार्जिन का कड़ा होना भी आयात लागत को तेजी से बढ़ा रहा है।

आवश्यक सूचना			
जबलपुर से पुणे एवं बांद्रा टर्मिनस के लिए नियमित साप्ताहिक ट्रेन सेवा शुरु			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा जबलपुर- पुणे स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन को दिनांक 24.05.2026 एवं जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन को दिनांक 29.05.2026 से रेगुलर गाड़ी में परिवर्तित कर चलाया जाएगा, जिसका विवरण निम्न है:-			
20162/20161 जबलपुर ⇌ पुणे साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस	20164/20163 जबलपुर ⇌ बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस		
ट्रेन नं. 20162 ↓ स्टेशन ↑	ट्रेन नं. 20161 ↓ स्टेशन ↑	ट्रेन नं. 20164 ↓ स्टेशन ↑	ट्रेन नं. 20163 ↓ स्टेशन ↑
जबलपुर-पुणे एक्सप्रेस	पुणे-जबलपुर एक्सप्रेस	जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस	बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर एक्सप्रेस
प्रस्थान 13.50 (रविवार)	जबलपुर	प्रस्थान 17.00 (शुक्रवार)	जबलपुर
आगमन 06.00 (मंगलवार)		आगमन 15.10 (रविवार)	
14.00-14.02	मदन महल	05.38-05.40	18.03-18.05
14.58-15.00	नरसिंहपुर	04.28-04.30	19.03-19.05
16.03-16.05	पिपरिया	03.18-03.20	20.30-20.45
17.20-17.30	इटारसी	02.00-02.10	21.03-21.05
18.16-18.18	हरदा	00.13-00.15	22.30-22.35
20.45-20.46	बुरहानपुर	20.31-20.32	23.03-23.05
21.45-21.50	भुसावल	20.00-20.05	02.10-02.12
00.10-00.15	मनमाड	17.10-17.15	03.50-03.55
01.12-01.15	कोपरगांव	15.27-15.30	07.40-07.50
01.57-02.00	बेलापुर	14.37-14.40	10.05-10.10
02.57-03.00	अहिल्यानगर	13.32-13.35	11.37-11.39
04.33-04.35	दौंड कॉर्ड लाइन	12.20-12.22	13.23-13.26
06.25	पुणे	11.20	14.15
(आगमन सोमवार)	(प्रस्थान सोमवार)	(आगमन सोमवार)	(प्रस्थान शनिवार)

कोच संरचना:
 20162/20161
 जबलपुर - पुणे साप्ताहिक एक्सप्रेस
 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02,
 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, द्वितीय श्रेणी शयनयान-08, एसएलआर-02

परिचालन के दिन
 गाड़ी संख्या - 20162 जबलपुर से प्रत्येक रविवार
 गाड़ी संख्या - 20161 पुणे से प्रत्येक सोमवार
 गाड़ी संख्या - 20164 जबलपुर से प्रत्येक शुक्रवार
 गाड़ी संख्या - 20163 बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक शनिवार

पश्चिम मध्य रेल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

FOLLOW US @wc_railway West Central Railway West Central Railway Official

अभी भी तेल कंपनियों ...

3.48%और थोक महंगाई दर 42 महीने के उच्चतम स्तर 8.3% पर पहुंच गई है, जिसका मुख्य कारण ईंधन और ऊर्जा की लागत बढ़ना ही है।

आवश्यक सूचना			
जबलपुर से पुणे एवं बांद्रा टर्मिनस के लिए नियमित साप्ताहिक ट्रेन सेवा शुरु			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा जबलपुर- पुणे स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन को दिनांक 24.05.2026 एवं जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन को दिनांक 29.05.2026 से रेगुलर गाड़ी में परिवर्तित कर चलाया जाएगा, जिसका विवरण निम्न है:-			
20162/20161 जबलपुर ⇌ पुणे साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस	20164/20163 जबलपुर ⇌ बा		

5 म्यूचुअल फंड्स ने बनाया निवेशकों का भरोसा मजबूत

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में लगातार बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही म्यूचुअल फंड चुनने की होती है। आज बाजार में 1500 से ज्यादा म्यूचुअल फंड स्कीम मौजूद हैं और हर फंड खुद को सबसे बेहतर साबित करने की कोशिश करता है। ऐसे में केवल ज्यादा रिटर्न देखकर निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी फंड का सही आकलन केवल रिटर्न से नहीं, बल्कि उसके "रिस्क एडजस्टेड रिटर्न" से किया जाना चाहिए। यानी ऐसा फंड जो जोखिम कम रखते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करे। हाल ही में किए गए एक विस्तृत विश्लेषण में कई म्यूचुअल फंड स्कीमों को शाप रेशियो, सॉर्टिनो रेशियो, स्टैंडर्ड डिविएशन और रोलिंग रिटर्न जैसे मानकों पर परखा गया। इस विश्लेषण में पांच फंड सबसे मजबूत विकल्प बनकर सामने आए।

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

सूची में पहला नाम एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड का है। यह फंड हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा एसेट अंडर मैनेजमेंट (एसयूएम) पार करने वाला युनिफाइड फंड बना है। फंड ने पिछले कई वर्षों में लगातार मजबूत प्रदर्शन किया है। रोलिंग रिटर्न के आधार पर इसने तीन और पांच साल की अवधि में 19 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस फंड की सबसे बड़ी ताकत बाजार गिरने के दौरान नुकसान को सीमित रखना रही है। इसका शाप रेशियो और सॉर्टिनो रेशियो भी श्रेणी के अन्य फंड्स से बेहतर रहा। फंड का बड़ा निवेश बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर और आईटी सेक्टर में है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई जैसी कंपनियां इसकी प्रमुख होल्डिंग्स में शामिल हैं।

बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। इस फंड ने पिछले 10 वर्षों में अपनी श्रेणी के अधिकांश फंड्स से बेहतर प्रदर्शन किया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इस फंड ने औसतन 24 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया, जबकि श्रेणी का औसत लगभग 18 प्रतिशत रहा। यह फंड लगातार बदलते बाजार के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करता है और इसी रणनीति ने इसे मजबूत बनाया है। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनंशियल, सर्विसेज, एनर्जी और हेल्थकेयर सेक्टर में है।

निप्पोन इंडिया लार्ड कैप फंड

निप्पोन इंडिया लार्ड कैप फंड भी जोखिम और रिटर्न के संतुलन के मामले में मजबूत विकल्प माना गया। पिछले 10 वर्षों में किसी भी सात साल की अवधि में इस फंड ने औसतन 15 प्रतिशत से ज्यादा रोलिंग रिटर्न दिया। यह श्रेणी औसत और निफटी 100 दोनों से बेहतर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी सबसे बड़ी ताकत स्थिर प्रदर्शन और मजबूत स्टॉक चयन है। लंबे समय से एक ही फंड मैनेजर के नेतृत्व में रहने का फायदा भी इसे मिला है। फंड की प्रमुख हिस्सेदारी बैंकिंग, एनर्जी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर सेक्टर में है।

एचडीएफसी मिड कैप फंड एसआईपी

एचडीएफसी मिड कैप फंड लंबे समय से निफ्टिकैप निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। अगर किसी निवेशक में 10 साल पहले हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू की जाती है, तो उनका उछाल निवेश लगभग 35 लाख रुपये तक पहुंच चुका होता। फंड ने लंबे समय में करीब 20 प्रतिशत सालाना रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मिडकैप श्रेणी में अस्थिरता ज्यादा होती है, लेकिन इस फंड ने लगातार बेहतर संतुलन बनाए रखा। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनंशियल, हेल्थकेयर और ऑटोमोबाइल सेक्टर में फैला हुआ है।

इनवेस्टको इंडिया स्मॉल कैप फंड

सूची में पांचवां नाम इनवेस्टको इंडिया स्मॉल कैप फंड का रहा। स्मॉलकैप फंड्स को आमतौर पर ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है, लेकिन इस फंड ने जोखिम के मुकाबले मजबूत रिटर्न दिया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इसने लगभग 26 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि पांच और सात साल की अवधि में भी प्रदर्शन मजबूत रहा। फंड का फोकस तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों की पहचान कर शुरूआती दौर में निवेश करना है। इसकी प्रमुख हिस्सेदारी हेल्थकेयर, सर्विसेज, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर सेक्टर में है।

आखिर क्या होता है रिस्क एडजस्टेड रिटर्न

विशेषज्ञ के मुताबिक, केवल ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड हमेशा बेहतर नहीं होता। अगर किसी फंड में उतार-चढ़ाव बहुत ज्यादा हो, तो वह निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ा सकता है। रिस्क एडजस्टेड रिटर्न ऐसे फंड्स को पहचानने का तरीका है जो कम जोखिम के साथ स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न देते हैं।

8 साल से ज्यादा निवेश में नुकसान की संभावना लगभग न के बराबर

सुझाव

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा निवेशकों की चिंता बढ़ाता है। बाजार कभी तेजी से ऊपर जाता है तो कभी अचानक गिरावट निवेशकों का भरोसा डगमगा देती है। खासकर छोटे निवेशक अक्सर इसी डर में रहते हैं कि कहीं उनकी मेहनत की कमाई बाजार की मंदी में डूब न जाए। लेकिन

अब एक नई स्टडी ने यह साबित कर दिया है कि अगर निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि तक एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में निवेश जारी रखें, तो बाजार की वोलेटिलिटी भी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा पाती। हाल ही में सामने आई एक रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि इक्विटी एसआईपी में जितनी लंबी अवधि तक निवेश किया जाता है, नुकसान का खतरा उतना ही कम होता जाता है। यहां तक कि 8 साल या उससे अधिक समय तक लगातार निवेश करने वाले निवेशकों को किसी भी अवधि में नुकसान नहीं हुआ। यह रिपोर्ट उन लाखों निवेशकों के लिए राहत भरी खबर है जो हर महीने म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं।

15 साल की एसआईपी में रिटर्न ज्यादा स्थिर और भरोसेमंद विशेषज्ञ बोले-कम से कम एक दशक तक रखें निवेश

बाजार में बढ़ी अनिश्चितता, निवेशकों की पहली पसंद बन रहे लिक्विड फंड

अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक रिटर्न दिया

पूंजी सुरक्षित और जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला जा सकता है पैसा

शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई, रहना होगा अलर्ट

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को जोखिम लेने से रोक रहे

वैश्विक तनाव, शेयर बाजार की अस्थिरता और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में निवेश सात साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। निवेशक फिलहाल जोखिम से दूरी बनाकर ऐसे विकल्प चुन रहे हैं जहां पूंजी अपेक्षाकृत सुरक्षित रहे और जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला भी जा सके। म्यूचुअल फंड उद्योग से जुड़े संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएफएमएआई) के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में शुद्ध निवेश 1.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पिछले वर्ष अप्रैल में यह आंकड़ा 1.19 लाख करोड़ रुपये था। यानी एक साल में लगभग 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह बीते कई वर्षों में सबसे बड़ा उछाल माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को ज्यादा जोखिम लेने से रोक रहे हैं। ऐसे माहौल में लोग अपने निवेश को सुरक्षित रखने के लिए लिक्विड फंड्स का सहारा ले रहे हैं।



बैंकिंग सिस्टम में बढ़ी नकदी बनी बड़ी वजह

विशेषज्ञों के अनुसार इस बढ़ोतरी के पीछे बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी भी अहम कारण रही। अप्रैल के दौरान बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त नकदी 2 लाख करोड़ से 5.5 लाख करोड़ रुपये के बीच रही, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा काफी कम था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों और बाजार में पर्याप्त लिक्विडिटी बनाए रखने के प्रयासों का असर भी साफ दिखाई दिया। बैंकों और कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी रही, जिसे उन्होंने बेहतर रिटर्न और सुरक्षित पार्किंग के लिए लिक्विड फंड्स में निवेश किया।

कम जोखिम में बेहतर रिटर्न का आकर्षण

लिक्विड फंड्स में बढ़ती दिलचस्पी की एक और बड़ी वजह इनका ओपेकृत बेहतर रिटर्न रहा। अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि ओवरनाइट ट्रेड्स लगभग 5 प्रतिशत के आसपास रही। इसके अलावा सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीडी) की ब्याज दरें 6.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक पहुंचीं, जिसने निवेशकों को आकर्षित किया। ऐसे में कम जोखिम के साथ थोड़े बेहतर रिटर्न की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए लिक्विड फंड्स एक बेहतर विकल्प बनकर उभरे। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, तब निवेशक पूंजी बचाने को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे समय में इक्विटी निवेश की तुलना में लिक्विड फंड्स ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं क्योंकि इनमें पैसा कम अवधि वाले डेट इन्स्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है।

आखिर क्या होते हैं लिक्विड फंड्स

लिक्विड फंड्स डेट म्यूचुअल फंड की श्रेणी में आते हैं। ये निवेशकों का पैसा टेजरी बिल्स, सरकारी प्रतिभूतियों, कॉल मनी और अन्य शॉर्ट टर्म मार्केट इन्स्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह होती है कि इनमें निवेश की मैच्योरिटी अवधि बहुत कम होती है। आमतौर पर ये 91 दिनों तक की अवधि वाले साधनों में निवेश करते हैं। इसी कारण इनमें जोखिम अपेक्षाकृत कम माना जाता है और जरूरत पड़ने पर निवेशक आसानी से पैसा निकाल सकते हैं। यही वजह है कि कम समय के लिए पैसा पार्क करने वाले निवेशक लिक्विड फंड्स को पसंद करते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति को दो-तीन महीने बाद बच्चों की फीस जमा करनी हो, यात्रा पर जाना हो या कोई अन्य छोटा वित्तीय लक्ष्य पूरा करना हो, तो वह रकम लिक्विड फंड में रख सकता है।

सेविंग अकाउंट से बेहतर विकल्प क्यों

वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लिक्विड फंड्स कई मामलों में सेविंग अकाउंट से बेहतर साबित हो सकते हैं। बैंक सेविंग अकाउंट में जहां ब्याज दरें सीमित रहती हैं, वहीं लिक्विड फंड्स थोड़े बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा इनमें निवेश और निकाली की सुविधा भी काफी आसान होती है। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि लिक्विड फंड्स पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होते, लेकिन अन्य म्यूचुअल फंड श्रेणियों की तुलना में इनमें जोखिम कम माना जाता है।

निवेश के ऑप्शन, जहां सुरक्षित रहेगा पूरा पैसा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में कमाई करना जितना कठिन हो गया है, उतना ही मुश्किल सही जगह निवेश करना भी हो गया है। शेयर बाजार, फिफ्टी और हाई रिटर्न वाले कई विकल्प लोगों को आकर्षित जरूर करते हैं, लेकिन इनमें जोखिम भी काफी रहता है। ऐसे में ज्यादातर लोग ऐसी स्कीम चाहते हैं जहां पैसा सुरक्षित रहे और रिटर्न भी भरोसेमंद मिले। भारत में सरकार समर्थित कई निवेश योजनाएं हैं जो सुरक्षा, स्थिरता और टैक्स बचत दोनों का फायदा देती हैं। अगर आप भी बिना ज्यादा जोखिम उठाए अपने भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना चाहते हैं, तो ये कुछ निवेश विकल्प आपके लिए बेहद काम के साबित हो सकते हैं।

1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

भारतीय परिवारों में फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में से एक है। इसमें एक तय अवधि के लिए पैसा जमा किया जाता है और बैंक पहले से निश्चित ब्याज देता है। एफडी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाजार के उतार-चढ़ाव का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। निवेशक को पहले दिन से ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी रकम मिलेगी। 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी पर आयकर की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट भी मिलती है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जाती है। यही वजह है कि सुरक्षित निवेश चाहने वालों के लिए एफडी आज भी पहली पसंद बनी हुई है।

2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड

अगर आपका लक्ष्य बच्चों की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना है, तो पीपीएफ शानदार विकल्प माना जाता है। यह सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। पीपीएफ की अवधि 15 साल होती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें मिलने वाला ब्याज, निवेश और मैच्योरिटी राशि तीनों टैक्स फ्री होते हैं। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का फायदा मिलने से छोटी-छोटी बचत भी बड़ा फंड बन जाती है। यही कारण है कि इसे सबसे भरोसेमंद लॉन्ग टर्म निवेश योजनाओं में गिना जाता है।

3. नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस)

एनपीएसयानी नेशनल पेंशन सिस्टम एक बेहतरीन विकल्प है। इसे पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी (पीएफआरडीए) संभालित करती है। इस योजना में निवेश का एक हिस्सा सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में लगाया जाता है, जिससे जोखिम कम रहता है। एनपीएस में धारा 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है, साथ ही अतिरिक्त 50 हजार की अलग टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

4. गोल्ड निवेश

भारत में सोना सिर्फ महाना नहीं, बल्कि सुरक्षित निवेश भी माना जाता है। हालांकि अब फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय लोग एसजीबी और गोल्ड ईटीएफ जैसे विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। सोने की कीमते लंबे समय में आमतौर पर बढ़ती रही हैं, इसलिए इसे महंगाई के खिलाफ मजबूत सुरक्षा माना जाता है। खास बात यह है कि एसजीबी में निवेश करने पर सरकार करीब 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज भी देती है। मैच्योरिटी पर टैक्स छूट का फायदा इसे और आकर्षक बनाता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ निवेश पोर्टफोलियो में कुछ हिस्सा गोल्ड में रखने की सलाह देते हैं।

धैर्य रखने वालों को ही मिलता है बड़ा मुनाफा, बनाएं बेहतर रणनीति

लंबी अवधि की एसआईपी बनेगी बाजार की ढाल



30 साल के आंकड़ों से निकला निष्कर्ष

अगस्त 1996 से अप्रैल 2026 तक के सेंसेक्स टीआरआई के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें अलग-अलग अवधियों की एसआईपी के रिटर्न को देखा गया। अध्ययन का मकसद यह समझना था कि समय बढ़ने के साथ निवेशकों का जोखिम किस तरह कम होता है। रिपोर्ट में पाया गया कि कम अवधि की एसआईपी में रिटर्न काफी अस्थिर रहे। तीन साल की अवधि में निवेशकों को जहां एक ओर 55.6 प्रतिशत तक का शानदार रिटर्न मिला, वहीं दूसरी ओर कुछ निवेशकों को 24.6 प्रतिशत तक का नुकसान भी उठाना पड़ा। इसका मतलब साफ है कि कम समय में बाजार की चाल निवेशकों को बड़ा फायदा भी दे सकती है और भारी नुकसान भी। लेकिन जैसे-जैसे निवेश की अवधि बढ़ती गई, जोखिम घटता गया। 8 साल या उससे ज्यादा की अवधि में किए गए किसी भी एसआईपी निवेश में नुकसान दर्ज नहीं हुआ।

क्यों असरदार लंबी अवधि की एसआईपी

विशेषज्ञों के मुताबिक, एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा "रूपा कॉस्ट एवरेजिंग" होता है। जब बाजार नीचे होता है, तब निवेशक को कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर होता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। लंबे समय में यह औसत निवेश लागत को संतुलित कर देता है। इसके अलावा लंबी अवधि में बाजार की गिरावट का असर धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। शेयर बाजार भले ही कुछ महीनों या वर्षों तक कमजोर रहे, लेकिन ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो लंबे समय में बाजार ने हमेशा रिकवरी की है। यही कारण है कि धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिलता है। रिपोर्ट के अनुसार 15 साल की एसआईपी में रिटर्न का दायरा काफी सीमित हो गया। यहां रिटर्न 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा। इसका मतलब यह है कि लंबी अवधि में निवेशकों को अपेक्षाकृत स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न मिलता है।

युवाओं के लिए छोटी रकम से बड़ा फंड बनाने का आसान तरीका

दस साल तक निवेश बनाए रखें

एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लंबे समय तक निवेश बनाए रखे। उनका मानना है कि कम से कम 10 साल तक निवेश करना चाहिए ताकि बाजार के विभिन्न चक्रों का फायदा मिल सके।

समय के साथ बढ़ी रिटर्न की संभावना

स्टडी में यह भी सामने आया कि निवेश की अवधि बढ़ने के साथ 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना भी तेजी से बढ़ती गई। 3 साल की एसआईपी में केवल 67 प्रतिशत मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिला। 10 साल की एसआईपी में यह आंकड़ा 95 प्रतिशत तक पहुंच गया। 12 से 15 साल की अवधि में 98 प्रतिशत निवेशकों को 10 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला। यानी निवेशक जितना अधिक समय तक बाजार में बने रहते हैं, उनके अच्छे रिटर्न पाने की संभावना उतनी ही मजबूत हो जाती है।

एसआईपी बंद करना बड़ी गलती

अक्सर देखा जाता है कि बाजार में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं। विशेषज्ञ इसे सबसे बड़ी गलती मानते हैं। दरअसल, बाजार में गिरावट के दौरान ही निवेशकों को कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जो भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा मुनाफा देती हैं। अगर निवेशक गिरावट के समय निवेश बंद कर देता है, तो वह बाजार की रिकवरी का पूरा फायदा नहीं उठा

पाता। इसलिए निवेशकों को बाजार की अस्थायी गिरावट से घबराने के बजाय अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

युवा निवेशकों के लिए बड़ा अवसर

विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं के लिए एसआईपी सबसे अच्छा निवेश विकल्प बनकर उभरा है। नौकरी की शुरुआत में छोटी रकम से निवेश शुरू करके लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। अगर कोई निवेशक 25 साल की उम्र में हर महीने 5 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 25-30 साल में करोड़ों रुपये का फंड तैयार हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार एसआईपी को दीर्घकालिक संपति निर्माण का सबसे प्रभावी तरीका मानते हैं।

धैर्य ही सफलता की कुंजी

इस पूरी स्टडी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि शेयर बाजार में सफलता पाने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है। कम समय में बाजार का उतार-चढ़ाव निवेशकों को परेशान कर सकता है, लेकिन लंबी अवधि में यही बाजार संपत्ति बनाने का सबसे मजबूत माध्यम बन जाता है। एसआईपी निवेशकों के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वे नियमित निवेश जारी रखें, बाजार की गिरावट से न डरें और लंबी अवधि का मनोरथ अपनाएं। क्योंकि समय के साथ बाजार की अस्थिरता कम होती जाती है और निवेशकों के लिए बेहतर रिटर्न की संभावना मजबूत होती जाती है।



निवेश से पहले यह रखें ध्यान

फंड का कम से कम 5-10 साल का रिकॉर्ड देखें, फंड मैनेजर का अनुभव जांचें

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में केवल बचत करना आर्थिक सुरक्षा के लिए काफी नहीं माना जाता। बढ़ती महंगाई, रिटायरमेंट की चिंता और भविष्य की जरूरतों ने निवेश को हर नौकरीपेशा व्यक्ति की प्राथमिकता बना दिया है। ऐसे में म्यूचुअल फंड एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में शामिल हो चुका है। हालांकि निवेशकों के मन में एक सवाल हमेशा रहता है कि आखिर किस उम्र में कितनी एसआईपीकरनी चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश में सबसे बड़ा अंतर ज्यादा रकम वाले और जल्दी शुरूआत पैदा करती है। जितना जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, कंपाउंडिंग उनका ही बड़ा फायदा देती है।

20 की उम्र में शुरूआत सबसे ताकतवर

वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक 20 से 29 साल की उम्र निवेश की शुरुआत के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। इस दौर में जिम्मेदारियां कम होती हैं और जोखिम लेने की क्षमता ज्यादा होती है। अगर कोई व्यक्ति 20 साल की उम्र में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 60 साल की उम्र तक करीब 11.88 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन अगर वही निवेश 30 साल की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम फंड घटकर लगभग 3.5 करोड़ रुपये रह जाता है। यानी सिर्फ 10 साल की देरी से संभावित संपत्ति में 8 करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर आ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस उम्र में फ्लेक्सी कैप, मिडकैप, इंडेक्स और इंग्लएसएसफंड फंड बेहतर विकल्प माने जाते हैं क्योंकि लंबी अवधि में इनमें बेहतर ग्रोथ की संभावना रहती है। हालांकि इस उम्र में सबसे बड़ी गलती निवेश टालते रहना और जल्दी अमीर बनने के चक्कर में हाई रिस्क थीमैटिक या स्मॉलकैप फंड्स में जरूरत से ज्यादा पैसा लगाना माना जाता है।

30 की उम्र में संतुलन जरूरी

30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते आमतौर पर आय बढ़ती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी तेजी से बढ़ने लगती हैं। घर का लोन, शादी, बच्चों की पढ़ाई, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसी जरूरतें निवेश रणनीति को प्रभावित करती हैं। अगर कोई व्यक्ति 30 साल की उम्र से हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और 60 साल तक निवेश जारी रखता है, तो 12 प्रतिशत अनुमानित रिटर्न के आधार पर लगभग 3.5 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। हालांकि यदि वही निवेश 40 की उम्र तक टाल दिया जाए, तो अंतिम फंड करीब 1 करोड़ रुपये तक सीमित रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस उम्र में संतुलित निवेश रणनीति अपनाना ज्यादा जरूरी होता है। फ्लेक्सी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और एग्रेसिव हाइड्रिफंड फंड अच्छे विकल्प माने जाते हैं। इसके अलावा हर साल एसआईपी बढ़ाने की आदत यानी "स्टैप-अप एसआईपी" लंबे समय में बड़ा अंतर पैदा कर सकती है।

40 की उम्र में फोकस बदलना जरूरी

40 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते निवेशकों का ध्यान केवल ज्यादा रिटर्न कमाने पर नहीं, बल्कि पूंजी की सुरक्षा और रिटायरमेंट प्लानिंग भी भी होता है। अगर कोई व्यक्ति 40 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है और 60 साल तक करीब 3.5 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहता है, तो उसे हर महीने लगभग 35 से 40 हजार रुपये की एसआईपी पड़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा इसलिए क्योंकि निवेशक कंपाउंडिंग के 10 अहम साल उस देता है और समय की कमी को ज्यादा निवेश से पूरा करना पड़ता है। इस उम्र में लाजकैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मल्टी एसेट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड जैसे विकल्प बेहतर माने जाते हैं।

हर उम्र में अलग होती है निवेश रणनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ने के साथ निवेशकों को इक्विटी से पूरी तरह बाहर नहीं निकलना चाहिए, बल्कि अपने जोखिम और वित्तीय जरूरतों के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करना चाहिए। युवा निवेशक ज्यादा जोखिम लेकर ग्रोथ पर फोकस कर सकते हैं, जबकि 40 के बाद रिटायर और पूंजी संरक्षण हर साल महत्वपूर्ण हो जाता है।

निवेशकों की सबसे बड़ी गलतियां

- निवेश शुरू करने में देरी करना
- बाजार गिरने पर एसआईपी बंद कर देना
- सोशल मीडिया टिप्स पर आंख बंद कर भरोसा करना
- बार-बार फंड बदलना
- बिना लक्ष्य के निवेश करना

क्या कहते हैं जानकार

विशेषज्ञों का कहना है कि म्यूचुअल फंड कोई जल्दी अमीर बनने का जरिया नहीं है। यह लंबे समय तक अनुशासन और धैर्य के साथ संपत्ति बनाने का माध्यम है। जो निवेशक जल्दी शुरुआत करते हैं, नियमित निवेश बनाए रखते हैं और बाजार की गिरावट से घबराने के बजाय टिके रहते हैं, वही लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर पाते हैं।

निवेश से पहले समझें जोखिम

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होते हैं। फंड का प्रदर्शन बाजार, ब्याज दरों और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार बदल सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार की मदद लेना भी बेहतर विकल्प हो सकता है।

वर्तमान परिवेश में ऊर्जा संकट एक वैश्विक समस्या बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के लिए वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। इस संकट से भारत भी अछूता नहीं हैं। भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। चूंकि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। ऐसे में क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में हितकारी साबित हो सकता है। भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

ऊर्जा सुरक्षा : आत्मनिर्भरता ही है विकल्प



विश्लेषण

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।

वर्तमान परिवेश में हमें यह तथ्य स्वीकार करना होगा कि ऊर्जा संकट एक वैश्विक संकट है। इस संकट से उबरने के लिए आने वाले समय में हमें दीर्घकालीन योजनाओं के अंतर्गत नए विकल्पों की तलाश के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण जैसे उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस ऊर्जा संकट को पश्चिम एशिया के संघर्ष ने और भी बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए गए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।

व्यवस्था का पुनर्गठन जरूरी

भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। भारत के लिए सबसे क्रांतिकारी और दूरगामी विकल्पों में से एक हरित हाइड्रोजन है। पानी के अणुओं को सौर या पवन ऊर्जा की मदद से तोड़कर बनाई जाने वाली यह गैस शुन्य कार्बन उत्सर्जन करती है। भारत ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह भारी उद्योगों, जैसे इस्पात, सीमेंट और शोधन शालाओं तथा लंबी दूरी के परिवहन जैसे ट्रक, ट्रेन और जहाजों को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त करने का एकमात्र व्यवहारिक विकल्प है, जहां सीधी बिजली या बैटरी काम नहीं आ सकती। चूंकि भारत में सौर ऊर्जा की प्रचुरता है, इसलिए हम दुनिया में सबसे सस्ती हरित हाइड्रोजन का



- हमें ये करने होंगे उपाय
- भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए हमें एक मिश्रित मॉडल अपनाना होगा।
 - सौर, पवन, परमाणु, जैव-ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन से मजबूत तंत्र बनाएं।
 - कचरे से गैस, धूप से बिजली और पानी से हाइड्रोजन निकालेंगे और अपनी गाड़ियां स्वदेशी बैटरियों से दौड़ाएंगे तो भारत की ऊर्जा संप्रभुता सह होगी।

उत्पादन करने की क्षमता रखते हैं। यह न केवल हमारी घरेलू फैक्ट्रियों को चलाएगी, बल्कि भविष्य में भारत को ऊर्जा निर्यातक देशों की कतार में खड़ा कर सकती है।इसके साथ ही, भारत ने सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, लेकिन प्रकृति पर निर्भर होने के कारण ये स्रोत चौबीसों घंटे बिजली नहीं दे सकते। इस चुनौती से निपटने और नवीकरणीय ऊर्जा को देश की मुख्यधारा बनाने के लिए हमें पम्पड हाइड्रो स्टोरेज जैसी तकनीकों पर ध्यान देना होगा। यह एक विशाल प्राकृतिक बैटरी की तरह काम करता है। साथ ही, निरंतर आपूर्ति के लिए परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु क्षाशाल प्रकृतिक बैटरी का स्थान ले सकती है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है।

बायोगैस बनाने के संयंत्र

इन्हें अभिशाप मानने के बजाय ऊर्जा के स्रोत में बदलना भारत के लिए सबसे आसान विकल्प है। सतत योजना के तहत कचरे और गोबर से संपीडित बायोगैस बनाने के संयंत्र देश भर में लगाए जा रहे हैं। यह गैस सीधे प्रकृतिक गैस का स्थान ले सकती है। इससे न केवल शहरों का कचरा साफ होता है और किसानों की आय बढ़ती है, बल्कि देश के भीतर ही गैस का एक बड़ा भंडार तैयार हो जाता है, जो सीधे हमारी परिवहन व्यवस्था को गति देता है। सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों का घरेलू बिजली पर स्थानांतरित होना भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता को सीधे चोट करता है। विद्युत वाहन क्रांति इसमें बड़ी भूमिका निभा रही है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही, लचीला ईंधन तकनीक एक बेहतरीन विकल्प है।

पेट्रो उत्पाद भी जीएसटी के दायरे में हों



मंथन

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

जहां विज्ञान की प्रगति ने 'भारत की पूरी धरती एक कुटुंब की तरह है' अवधारणा को सिद्ध कर दिया है, वही व्यक्ति और समष्टि के अंतरद्वंद्व के दूरगामी प्रभाव को भी हमें देखना होगा। आज के दौर में ईंधन केवल वाहनों को गति देने वाला माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था की रगों में दौड़ता हुआ रक्त है, जिसका सीधा नाता हर आम नागरिक की रसोई और उसकी आजीवनिका से है। वैश्विक ऊर्जा संकट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहराते तनावों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो अप्रत्याशित उछाल आया है, उसकी तपिश अब हमारे घरेलू बाजारों में भी साफ महसूस की जा रही है।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। जब भी पेट्रो पदार्थों के दाम बढ़ते हैं, तो उसकी पहली चोट आम आदमी की जेब पर लगती है। विकासशील देशों में माल की आवाजाही का एक बहुत बड़ा हिस्सा सड़क मार्ग पर निर्भर है, इसलिए जैसे ही डीजल के दाम बढ़ते हैं, वैसे ही ट्रकों और भारी वाहनों का किराया अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि कारखानों में बनने वाले सामान से लेकर खेतों से मंडियों तक आने वाली फल-सब्जियों जैसी अनिवार्य वस्तुओं की दुलाई बेहद महंगी हो जाती है। हमारा कृषि प्रधान समाज आज भी खेती की जुताई से लेकर फसलों की सिंचाई तक के लिए काफी हद तक डीजल पर निर्भर है। जब लागत और परिवहन दोनों महंगे हो जाते हैं, तो आटा, दाल, दूध, फल और सब्जियों के दाम आसमान छूने लगते हैं। ऐसे में एक सीमित आय वाले मध्यमवर्गीय परिवार या रोजाना कमाने-खाने वाले मजदूर के लिए अपनी थाली के पोषण और स्वाद को बचाए रखना एक वाहन, ऑटो या टैक्सी चलाकर परिवार का पेट पालने वाले चालकों के

लिए यह समय किसी कड़ी परीक्षा से कम नहीं होता, क्योंकि ईंधन पर खर्च बढ़ने से उनकी रोज की कमाई का एक बड़ा हिस्सा तेल में ही जल जाता है और सवारी का किराया तुरंत बढ़ा पाना उनके बस में नहीं होता।

आर्थिक विश्लेषकों का भी स्पष्ट मानना है कि तेल की कीमतों में होने वाली मामूली वृद्धि भी देश को खुदरा महंगाई दर को सीधे ऊपर ले जाती है, जो महज कंपनियों के नफे-नुकसान का मामला नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आम उपभोक्ता की क्रय शक्ति और उसके जीवन स्तर पर किया गया प्रहार

लाया जाए, जिससे पूरे देश में करों की विसंगतियां समाप्त होंगी, कीमतों में स्थिरता आएगी और अप्रत्याशित उछाल से काफी हद तक बचा जा सकेगा। नीतियों के साथ-साथ सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी हमें अपनी आदतों को बदलना होगा। रोजमर्रा के सफर में हमें वाहनों को साझा करने की आदत डालनी होगी और जहां तक संभव हो, निजी गाड़ियों के बजाय मेट्रो, बसों या स्थानीय ट्रेनों का उपयोग करना होगा, जो न केवल हमारी जेब का बोझ हल्का करेगा, बल्कि देश के भारी-भरकम आयात बिल को भी कम



विकासशील देशों में माल की आवाजाही का एक बहुत बड़ा हिस्सा सड़क मार्ग पर निर्भर है, इसलिए जैसे ही डीजल के दाम बढ़ते हैं, वैसे ही ट्रकों और भारी वाहनों का किराया अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि तमाम अनिवार्य वस्तुओं की दुलाई बेहद महंगी हो जाती है।

है। इस कठिन चक्रव्यूह से पार पाने के लिए तात्कालिक राहत और दूरगामी सोच, दोनों ही मोर्चों पर एक साथ कदम बढ़ाने होंगे, जहां शासन और समाज दोनों को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रशासनिक स्तर पर देखें तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में केंद्र और राज्यों के करों यानी उत्पाद शुल्क और मूल्य संवर्धित कर की हिस्सेदारी काफी बड़ी होती है। संकट के इस दौर में सरकारों को लोक-कल्याणकारी कदम उठाते हुए टैक्स के बोझ को थोड़ा कम करना चाहिए, ताकि जनता को तुरंत राहत मिल सके। साथ ही देश में अरसे से यह मांग भी उठ रही है कि पेट्रो उत्पादों को भी वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में

करने में मदद करेगा। अब वह समय आ चुका है जब हमें बिजली से चलने वाले वाहनों और मिश्रित ईंधन तकनीकों को पूरी गंभीरता से अपनाना होगा। पेट्रोल में कृषि अपशिष्ट से तैयार इथेनॉल के मिश्रण को और अधिक विस्तार देना भी एक बेहतरीन विकल्प है, जिससे हमारे खेतों के कचरे का सही उपयोग होगा, किसानों की आमदनी बढ़ेगी और विदेशी कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता भी कम होगी। प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत फिजूल खर्चों को रोक कर तर्कसंगत उपयोगिता प्रणाली को विकसित करना होगा तथा सरकारी संसाधनों की दुरुपयोग की अपनी मानसिकता को भी बदलना होगा।



व्यवस्था

जूही पाठक

स्वतंत्र पत्रकार

भारत वर्तमान में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता और आयातक देश है। हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और औद्योगिक प्रगति पूरी तरह से ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति पर टिकी हुई है। आज की तारीख में भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का लगभग पचासी प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है। यह भारी-भरकम आयात न केवल देश के राजकोषीय घाटे को प्रभावित करता है, बल्कि भारत की विदेश नीति और आर्थिक निर्णयों में भी बड़ी भूमिका निभाता है। ऐसे में इस बिन्दु पर विचार करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि ईंधन व्यवस्था की दृष्टि से भारत के मौजूदा तेल स्रोत क्या हैं और आने वाले भविष्य में देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर क्या संभावनाएं और चुनौतियां छिपी हैं।

भारत का घरेलू तेल उत्पादन मुख्य रूप से तीन प्रमुख हिस्सों में बंटा हुआ है, जिनमें तटीय तेल क्षेत्र, उथले अपतटीय क्षेत्र और गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र शामिल हैं। तटीय यानी जमीन पर स्थित तेल स्रोतों में राजस्थान का बाड़मेर ब्लॉक सबसे महत्वपूर्ण है, जहां मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या जैसे तेल क्षेत्र देश के घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा असम के डिगबोई, नाहरकटिया और मोरान-हुगरीजन जैसे पारंपरिक क्षेत्र आज भी देश को तेल की आपूर्ति कर रहे हैं, जबकि गुजरात का कैम्बे बेसिन और अंकलेश्वर भी प्रमुख ऑनशोर तेल स्रोत बने हुए हैं। उत्पादन का दूसरा हिस्सा उथले अपतटीय क्षेत्र हैं, जिनका सबसे बड़ा उदाहरण अरब सागर में स्थित मुंबई हाई है। यह बेसिन दशकों से देश के घरेलू उत्पादन की रीढ़ रहा है। तीसरा और सबसे आधुनिक हिस्सा गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र हैं, जो मुख्य रूप से बंगाल की खाड़ी के कृष्णा-गोदावरी बेसिन में स्थित हैं। यदि हमने वापस दस से बीस वर्षों की ईंधन व्यवस्था पर नजर डालें, तो भारत का तेल परिदृश्य एक बहुत

बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत मुख्य रूप से चार रणनीतिक मोर्चों पर आगे बढ़ रहा है, जिसमें सबसे पहला मोर्चा गहरे और अति-गहरे समुद्र में नए भंडारों की खोज का है। भारत सरकार ने अंडमान-निकोबार बेसिन, महानदी बेसिन और गहरे अरब सागर के विशाल क्षेत्रों को पुराने कड़े नियमों से मुक्त कर दिया है ताकि इन अनछुए क्षेत्रों का दोहन किया जा सके। दूसरा महत्वपूर्ण मोर्चा सामरिक तेल भंडारों का विस्तार है, ताकि अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीतिक उथल-पुथल, युद्ध या



भारत का घरेलू तेल उत्पादन मुख्य रूप से तीन प्रमुख हिस्सों में बंटा हुआ है, जिनमें तटीय तेल क्षेत्र, उथले अपतटीय क्षेत्र और गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र शामिल हैं। तटीय यानी जमीन पर स्थित तेल स्रोतों में राजस्थान का बाड़मेर ब्लॉक सबसे महत्वपूर्ण है।

आपूर्ति शृंखला बाधित होने की स्थिति में देश की ईंधन व्यवस्था ठप न हो। वर्तमान में विशाखापत्तनम, मंगलौर और पादुर में रणनीतिक पेट्रोलिएम भंडार के रूप में लाखों टन कच्चा तेल आपातकाल के लिए सुरक्षित रखा गया है और भविष्य की योजना के तहत ओडिशा के चंडीखोल तथा पादुर के दूसरे चरण में इस क्षमता को दोगुना किया जा रहा है। रणनीतिक स्तर पर तीसरा बड़ा बदलाव आयात का विविधीकरण है, जिसके तहत भारत किसी एक क्षेत्र या स्रोत पर अपनी निर्भरता को समाप्त कर रहा है। भारत ने अपनी कुटीरतिक रणनीति बदलते हुए रूस, अफ्रीकी देशों और लैटिन अमेरिकी देशों से तेल

का आयात बढ़ाना शुरू किया है, जो भारत को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेहतर मौलतोल की शक्ति देता है और वैश्विक संकटों के प्रभाव से देश को सुरक्षित रखता है। भविष्य का चौथा और सबसे बड़ा कदम यह है कि भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार, पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग, और नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी नीतियां यह सुनिश्चित कर रही हैं कि

क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना लाभकारी



अर्थिकी

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

चीन अपना रहा कोल रॉक गैस तकनीक

पारंपरिक रूप से कोयले की परतों से जो गैस निकाली जाती है, उसे कोलबेड मीथेन कहा जाता है। भारत और चीन दोनों ही सालों से उथली खदानों से कोलबेड मीथेन निकाल रहे हैं। लेकिन चीन ने हाल ही में जिस तकनीक पर महारत हासिल की है, उसे कोल रॉक गैस कहा जा रहा है। ओर्जोस बेसिन के दाजी क्षेत्र में इसके बेहद सफल परिणाम मिले हैं, और चीन ने वहां सैकड़ों कुएँ खोदकर अरबों त्रयुक्तिक मीटर गैस का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारत वर्तमान में अपनी जरूरत का लगभग 50% प्राकृतिक गैस आयात करता है। लिविफाइट नेचुरल गैस के अंतरराष्ट्रीय दामों में उतार-चढ़ाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डालता है। चीन की तरह भारत के पास भी कोयले का विशाल भंडार है। इसलिए, भारत के लिए क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में लाभकारी साबित हो सकता है। भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी (झारखंड-पश्चिम बंगाल), सोन घाटी (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद हैं, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है। क्षैतिज ड्रिलिंग तकनीक के माध्यम से इन दुर्गम परतों से अरबों घन मीटर मीथेन गैस निकाली जा सकती है, जिससे भारत की गैस-आधारित अर्थव्यवस्था के सपने को उड़ान मिलेगी। भारत ने 2030 तक अपनी प्राथमिक ऊर्जा टोकरी में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.5% से बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा है। यदि भारत घरेलू स्तर पर कोल रॉक गैस का उत्पादन शुरू कर देता है, तो उर्दकर उद्योग, सीपेक्षी वाहनों और पाइप नेचुरल गैस के लिए विदेशों पर निर्भरता बेहद कम हो जाएगी। इससे विदेशी मुद्रा भंडार की भारी बचत होगी।

मीथेन गैस को बाहर निकालने पर सुरक्षा

भारतीय कोयला खदानों, विशेषकर झारखंड के झरिया और रानीगंज क्षेत्रों में, भूमिगत आग और मीथेन गैस के रिसाव के कारण होने वाले विस्फोट एक पुरानी समस्या रही है। यदि कोयला निकालने से पहले ही क्षैतिज ड्रिलिंग के जरिए उस क्षेत्र की मीथेन गैस को खींच लिया जाए तो खदानों के भीतर विस्फोट का खतरा लगभग शून्य हो जाता है। यह भारतीय खनिजों की सुरक्षा के लिए एक क्रांतिकारी कदम होगा। मीथेन एक बेहद खतरनाक ग्रीनहाउस गैस है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वातावरण को कई गुना तेजी से गर्म करती है। इस गैस को क्षैतिज ड्रिलिंग से सुरक्षित निकालकर ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने से भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी।चीन की सफलता यह साबित करती है कि यदि सरकारी नीतियों का समर्थन हो, तो भूवैज्ञानिक चुनौतियों को पार किया जा सकता है। भारत को भी इस दिशा में एक सीधी-समझी रणनीति अपनानी होगी। आवश्यकतानुसार वैश्विक ऊर्जा दिवंगजों को भारत में आमंत्रित किया जाना चाहिए। महानदी या दामोदर बेसिन के कुछ चुनिंदा ब्लॉकों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुनकर वहां परीक्षण शुरू किए जाने चाहिए। चीन द्वारा कोयले की गहरी परतों में क्षैतिज ड्रिलिंग का सफल उपयोग यह दिखाता है कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल नए संसाधनों को खोजने में नहीं, बल्कि मौजूदा संसाधनों के स्मार्ट दोहन में है। भारत अपने कोयला भंडारों को केवल 'प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन' के रूप में नहीं देख सकता। यदि सही नीति, विदेशी तकनीक और घरेलू इच्छाशक्ति का समन्वय हो, तो भारत भी अपनी गहरी कोयला खदानों से स्वच्छ ऊर्जा का अकूत भंडार निकाल सकता है। चीन के इस कदम से सीख लेते हुए भारत को बिना देर किए इस दिशा में अपने कदम बढ़ा देने चाहिए, क्योंकि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता ही भविष्य की वास्तविक संप्रभुता है।

रणनीतिक प्रबंधन दूर करेगा संकट

का आयात बढ़ाना शुरू किया है, जो भारत को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेहतर मौलतोल की शक्ति देता है और वैश्विक संकटों के प्रभाव से देश को सुरक्षित रखता है। भविष्य का चौथा और सबसे बड़ा कदम यह है कि भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार, पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग, और नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी नीतियां यह सुनिश्चित कर रही हैं कि

भविष्य में परिवहन और उद्योगों के लिए कच्चे तेल की मांग को धीरे-धीरे कम किया जा सके। ईंधन व्यवस्था के दृष्टिकोण से भारत का भविष्य एक बेहद संतुलित रणनीति पर टिका है। एक तरफ जहां घरेलू स्तर पर गहरे समुद्र में नए कुओं की खोज और सामरिक तेल भंडारों को सुरक्षित करना देश की वर्तमान जरूरत है, वहीं दूसरी तरफ तेल पर निर्भरता हटाकर अक्षय ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाना भारत का अंतिम लक्ष्य है। जब तक देश ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो जाता, तब तक कच्चे तेल के स्रोतों का रणनीतिक प्रबंधन ही भारत के विकास की रफ्तार को बनाए रखने की महत्वपूर्ण कुंजी है।

हनुमानगंज और कमला नगर में रंजिश में चाकूबाजी टीलाजनापुरा में भी काउंटर प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी में चाकूबाजी की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। रंजिश के चलते हनुमानगंज में दो युवक आमने सामने आ गए। दोनों के बीच मारपीट हुई और चाकूबाजी में एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसी प्रकार कमला नगर में भी दो युवकों ने मिलकर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। टीला जमालपुरा में भी अंडीबाजी को लेकर दो पक्षों के बीच चाकूबाजी की घटना सामने आई है। पुलिस ने सभी प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शाहजहाँनाबाद निवासी मोहम्मद अर्सलान (19) प्रायवेट काम करता है। पिछले कुछ दिनों से

राजधानी में बढ़ रही चाकूबाजी की घटनाएं अलग-अलग घटनाओं में आधा दर्जन घायल



नसीम खां उर्फ नसीम ब्रेकर से उसका किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। शुक्रवार रात करीब साढ़े 11 बजे अर्सलान भोपाल प्लाजा के पास खड़ा था। इस दौरान वहां नसीम पहुंच गया। नसीम ने पुरानी बात को लेकर गालीगलौज शुरू कर दी।

अर्सलान ने जब गाली देने का विरोध किया तो नसीम ने उसकी कमर पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगते ही अर्सलान लहलुहान होकर जमीन पर गिर गया। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां से इलाज करने के बाद उसने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने देर रात इलाके की घेराबंदी करते हुए आरोपी नसीम को गिरफ्तार कर लिया है। नसीम ब्रेकर शाहजहाँनाबाद का निगरानी बदमाश है। एक सप्ताह पहले ही वह जेल से छूटकर आया है। शुक्रवार को वह नशे में धुत होकर हनुमानगंज इलाके पहुंचा था। वहां उसने अर्सलान के अलावा लीलाकिशन गौर (55) पर भी चाकू से हमला कर दिया। थाना प्रभारी अवधेश सिंह भदौरिया ने बताया कि देर रात ही आरोपी नसीम खान उर्फ नसीम ब्रेकर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

खुशीलाल मैदान पर किया चाकू से हमला

कमला नगर पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात खुशीलाल मैदान पर बैठे एक युवक पर दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि शहरी नगर निवासी शिवकुमार (22) अपने दोस्त राजपाल के साथ खुशीलाल मैदान के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान विमल और उसका साथी पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे। राजपाल ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने उसके सिर पर चाकू से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने दोस्त की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

टीलाजमालपुरा पुलिस ने दर्ज किया काउंटर प्रकरण चौराहे पर खड़े होने की बात पर विवाद, चाकूबाजी

टीला जमालपुरा पुलिस ने बताया कि रविदासपुरा टीला निवासी कुष कचनेरिया (18) और उसका चचेरा भाई हर्ष रविदासपुरा स्थित चौराहे पर खड़े थे। वहीं पर रेजीमेंट रोड पर रहने वाला सऊद खान (23) भी कुछ लड़कों के साथ खड़ा होकर बातें कर रहा था। तभी कुष ने उससे कहा कि तू यहां क्यों खड़ा है। तब सऊद बोला कि खड़ा हू, तुझे क्या मतलब। इसी बात को लेकर विवाद होने लगा। विवाद बढ़ने पर सऊद ने चाकू से कुष और हर्ष पर चाकू से हमला कर दिया। एसआई साहिर खान का कहना है कि जान से मारने की नीयत से कुष के सीने पर चाकू का वार किया गया था। लेकिन

उसने अपने हाथ से चार रोक लिया। इससे उसके हाथ में गंभीर चोट लगी है जबकि हर्ष के पैर में भी चाकू का घाव लगा है। झगड़े के दौरान हर्ष और कुष ने भी चाकू से सऊद पर हमला किया था। सऊद ने भी अपने हाथ से जानलेवा हमला रोक लिया। उसकी कोहनी में गंभीर चोट लगी है। कुष का आरोप है कि सऊद उसकी जेब से पैसे निकालने का प्रयास कर रहा था। पुलिस ने कुष कचनेरिया की शिकायत पर सऊद के खिलाफ अंडीबाजी व गैर इरादतन हत्या के प्रयास और सऊद की रिपोर्ट पर कुष व हर्ष के विरुद्ध धमकी देकर गैरइरादतन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

खबर संक्षेप

ईद-उल-अजहा की तैयारियां जोरों पर

औबेदुल्लागंज। ईद-उल-अजहा मुस्लिम समाज द्वारा श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मस्जिदों और ईदगाह में नमाज अदा करेंगे। अफजल हुसेन, नवाब हुसैन, उप सदर सलीम भाई, अफसर भाई, राजा सिद्दीकी, आमीन भाई, नफीस भाई, मंडी वाले अकील भाई, सगीर भाई, आसिफ पठान, रईस खान, मेहमूद बेग आदि तैयारी में लगे हुए हैं।

केक काटकर मनाया अरोरा का जन्मदिन



औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज व्यापार महासंघ के महासचिव प्रदीप अरोरा ने जन्मदिन पर परिवार के साथ भगवान शिव की पूजा आरती की एवं हनुमानजी से प्रार्थना की। प्रदीप अरोरा ने कहा कि सुख शांति, समृद्धि और एकता, भाईचारे के साथ सभी को नमन करता हूं। शाम को शुभम ज्वेलर्स प्रांगण में व्यापार महासंघ एवं शुभचिंताकों ने केक काटकर प्रदीप अरोरा का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष जगदीश चन्दानी, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, राजू भाई पटेल, दिनेश सेन, देवेन्द्र सिंह राय, कैलाश डब्बू नागर, विवेक मिश्रल, माधवी यादव, आशीष दीक्षित, रतन मेघानी, सिद्धार्थ मिश्रल, बंटी जोशी, मनोज मेघानी, हरीश नारायनी, जेपी शर्मा, विजय जैन, नीरज चावला, बल्लू अरोरा, रमेश वासवानी, विक्रम धाड़ी, पंकज कोठारी, संजय अग्रवाल, रतन मेघानी, अशोक जायसवाल, रवि कमल, बागिश अग्रवाल, सोनू वासवानी, अमित राय, अंकुर अग्रवाल समस्त व्यापार संघ के सदस्यों एवं नगर के नागरिक ने अरोरा को जन्मदिन की बधाई दी।

बाथरूम में बेसुध मिली युवती की संदिग्ध मौत

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित राजहर्ष कॉलोनी में रहने वाली युवती की कतिता शर्मा (35) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन उसे बाथरूम में बेसुध पड़ा देख इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद युवती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

श्रीमद् भागवत कथा में भजनों की प्रस्तुति पर जमकर थिरके श्रद्धालु



श्रीमद् भागवत कथा में प्रवचन देती कथा वाचक प्रीति नागर।

हरिभूमि न्यूज़ ►►संतनगर

ग्राम कुराना में अधिकमास पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। शनिवार को चतुर्थ दिवस कथा वाचक प्रीति नागर ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया। श्रीकृष्ण की जन्म कथा का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। कथा वाचक प्रीती नागर ने कहा कि मनुष्य को भक्ति में

लगे रहना चाहिए, तभी उसकी सुविष्ट संभव हो पाती है। जैसे ही कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ पूरा पंडाल जयकारों से गुंजन लगा। श्रीकृष्ण जन्म उत्सव पर नन्द के आनंद भव्य जय कन्हैयालाल की भजन प्रस्तुत किया तो श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर जमकर झुसे। एक-दूसरे को श्रीकृष्ण जन्म की बधाईयां दी गई, एक-दूसरे को खिलौने और मिठाइयां बांटी गई।

श्रीमद् भागवत कथा में सजाई भगवान कृष्ण की सुंदर झांकी



श्रीमद् भागवत कथा में प्रवचन देते कथा वाचक पं. संतोष तिवारी शास्त्री।

हरिभूमि न्यूज़ ►►औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिवस राष्ट्रीय कथा वाचक चित्रकूट धाम के पं. संतोष तिवारी शास्त्री ने राजा परीक्षित की कथा सुनाई। पंडाल में भगवान कृष्ण की सुंदर झांकी दिखाई गई। कृष्ण जन्म की कथा एवं

मनमोहक भजन प्रस्तुत किए गए। हाथी, घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की, जयकारों से पंडाल गुंज उठा। कथा व्यवस्थापक अरुण भावसार, वचन लोधी, इंग्लिश यादव, धनु चौरसिया, नीरज चावला, आशीष दीक्षित, पूजा लोधी, आरती यादव ने भक्तों से कथा में आने का निवेदन किया।

सिद्ध भाऊ ने गोद लिए विद्यार्थियों को वितरित की शिक्षण सामग्री



विद्यार्थियों को निःशुल्क शैक्षणिक सामग्री वितरित करते सिद्ध भाऊ।

हरिभूमि न्यूज़ ►►संतनगर

नवयुवक परिषद द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सिद्ध भाऊ ने निःशुल्क किताबें, कॉपियां, स्कूल यूनिफॉर्म, पेन, पेंसिल आदि वितरित की। कक्षा पहली से बारहवीं तक के लगभग 600 विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री दी गई। शेष बचे विद्यार्थियों को 24 मई को शैक्षणिक सामग्री वितरित की जाएगी। इसके अनतिरिक्त गांधीनगर स्थित प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल, लक्ष्मीदेवी

विक्थोमल श्रॉफ विद्यालय, चिल्ड्रेन होप इंडिया गर्ल्स स्कूल के विद्यार्थियों को 25 मई को शैक्षणिक सामग्री वितरित की जाएगी। केवलराम चरारया पब्लिक स्कूल, करोंद के विद्यार्थियों को 26 मई को शिक्षण सामग्री दी जाएगी। कार्यक्रम में हीरो ज्ञानचंदानी, महेश दयारामनरी, प्रदीप खेमचंदानी, मनोहर वासवानी, लखन भागचंदानी, मनोहर शेवानी, अशोक चेनानी एवं रमेश लालवानी सहित परिषद के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

समस्या का समाधान नहीं होने पर कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी मीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान



विद्युत कार्यालय में अधिकारी को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस नेता नागर व अन्य।

हरिभूमि न्यूज़ ►►औबेदुल्लागंज

भोजपुर विधानसभा की गौहरगंज तहसील में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी परेश नागर ने साथियों के साथ औबेदुल्लागंज विद्युत कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। परेश नागर ने कहा कि भोषण

गर्मी में लोड शेंडिंग और मेटेंसेज के नाम पर लगातार बिजली कटौती से आमजन, किसान और व्यापारी परेशान हैं। बिना सूचना घंटों बिजली बंद रहने से लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो युवा कांग्रेस विद्युत कंपनी के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेगी।

44 डिग्री की तपिश में भी डटे बिजलीकर्मों



औबेदुल्लागंज। भोषण गर्मी का दौर जारी है। तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच चुका है। जहां आम लोग कूलर, पंखे और एसी की ठंडी हवा में राहत तलाश रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बिजली कंपनी के कर्मचारी और अधिकारी खुले आसमान के नीचे तपती धूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के बीच ये कर्मचारी बिजली सप्लाई को सुचारू बनाए रखने के लिए दिन-रात जुटे हुए हैं। कभी ट्रॉंसफार्मर सुधारना हो, तो कभी फॉल्ट लाइन ठीक करना, हर परिस्थिति में वे बिना रुके काम कर रहे हैं, ताकि आम नागरिकों को बिजली सप्लेट का सम्मान करें और सहयोग बनाए रखें।

गर्मी में मेटेंसेज कार्य करते विद्युत कर्मचारी।

बिजली कंपनी के कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण ही है, जिसकी बदौलत घरों में ठंडक बनी हुई है। ऐसे में जरूरत है कि आमजन भी उनके कार्य का सम्मान करें और सहयोग बनाए रखें।

देर रात बैरागढ़ से पार्टी कर लौट रहे थे, पुलिस ने पीछा किया तो दौड़ाई कार बर्थ डे पार्टी से शराब पीकर निकले छात्रों ने चढ़ाई गाड़ियों-टेलों के साथ लोगों पर कार, कई घायल सेमरा मंडी से मिनाल क्षेत्र तक देर रात रही हड़कंप की स्थिति

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी के मिनाल क्षेत्र में शनिवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब शराब के नशे में कुछ छात्रों ने कई लोगों पर गाड़ी चढ़ा दी। दोस्त के जन्मदिन की पार्टी से लौटे छात्र शराब के नशे में गाड़ी सड़क पर दौड़ाते रहे और जो भी सामने आया उसे टक्कर मारते गए। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग घायल हुए और सड़कों पर मौजूद गाड़ियों, टेलों का नुकसान हुआ, जिसके बाद पुलिस ने पीछाकर इन छात्रों को पकड़ा।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पांच छात्र दोस्त का जन्मदिन मनाने के लिए बैरागढ़ गए हुए थे। जहां



इन्होंने एक बार में बीयर-शराब पार्टी भी की। जिसके बाद शराब के नशे में कार चलाते हुए एक दर्जन से अधिक लोगों पर कार चढ़ाते हुए भागने की कोशिश की। पुलिस को सूचना मिली कि काले रंग की कार सेमरा मंडी तरफ एकी है। जब पुलिस

ने इनका पीछा किया तो इन्होंने कार और तेज दौड़ाना शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार, कार चलाने वाले छात्र का नाम पवा दुबे बताया जा रहा है। उसने बताया कि पहले कार आदित्य हरियाल चला रहा था, स्टेशन से पवा दुबे ने कार चलाना शुरू किया। जिसके बाद चांदबड़, अशोका गार्डन, मिनाल क्षेत्र से होते हुए लोगों पर गाड़ी चढ़ाते हुए आए हैं। इस दौरान किसी का ठेला तो किसी की दुकान पर गाड़ी चढ़ाते हुए लोगों को घायल किया है। मिनाल क्षेत्र से पुलिस ने पीछा शुरू किया और मिनाल गेट नंबर 3 के पास इन्हे पकड़ा गया है। पुलिस के अनुसार, 5 छात्रों में से दो को पकड़ा है, वहीं 3 छात्र मौके से भाग गए।

लोगों ने घेरकर पीटा, पुलिस ने किट्टी तरह बचाया पुलिस के अनुसार, लोगों ने इस दौरान इन छात्रों को घेर लिया और पीटना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने इन्हे बचाया और थाने लेकर आई। इस मशक्कत में पुलिस को करीब एक घंटे का समय लगा।

कानून के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक मजबूत ढांचा बनाया जाएगा

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ग्रामीण भारत में रोजगार और आजीविका की गारंटी देने वाले विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (बीबी-जी-राम-जी) के मसौदा नियम प्रकाशित किए हैं। ये नियम सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए गए हैं। इनका उद्देश्य कानून के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना है। इन्हें अंतिम रूप देने से पहले व्यापक हितधारक परामर्श की सुविधा के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है। प्रस्तावित नियमों में संक्रमणकालीन प्रावधान, राष्ट्रीय स्तर की संचालन समिति और केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक खर्चों, शिकायत निवारण और मजदूरी के भुगतान से संबंधित प्रावधान भी इसमें हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की नई गारंटी मिलेगी, केंद्र सरकार ने जारी किए बीबी-जी राम जी अधिनियम के मसौदा नियम, सार्वजनिक परामर्श आमंत्रित

1 जुलाई से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जाएगा

संक्रमण काल में चल रहे कार्य प्रभावित नहीं होंगे

मसौदा नियम मनरेगा से बीबी-ग्राम जी में बदलाव के लिए एक रूपरेखा की तरह है। बीबी-ग्राम जी मौजूदा ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का स्थान लेगा। ये प्रावधान सुनिश्चित करते हैं कि संक्रमण काल में चल रहे कार्य प्रभावित न हों। इसमें देनदारियों का निपटान और अभिलेखों का हस्तांतरण भी शामिल है।

बेरोजगारी भत्ता और सामान्य आवंटन से अधिक खर्च शामिल किए



फाइल फोटो

बेरोजगारी भत्ता और सामान्य आवंटन से अधिक खर्च का विवरण भी नियमों में है। इसमें विधायिका रहित केंद्र शासित प्रदेशों के खर्च भी शामिल हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि ये नियम पूरे देश में अधिनियम के लिए संस्थागत, प्रशासनिक, वित्तीय और शासन ढांचा स्थापित करेंगे। परामर्श प्रक्रिया का लक्ष्य सहभागी शासन सुनिश्चित करना और राज्यों, संस्थानों, विशेषज्ञों, नागरिक समाज संगठनों तथा आम जनता से रचनात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करना है।

हितधारकों की भागीदारी तय होगी

सरकार ने इन नियमों को अंतिम रूप देने से पहले व्यापक परामर्श प्रक्रिया अपनाई है। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। राज्यों, विभिन्न संस्थानों और विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

नियमों का व्यापक दायरा

ये मसौदा नियम कई महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करते हैं। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संचालन समिति की भूमिका और जिम्मेदारियां शामिल हैं। केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद के गठन और कार्यों का भी इसमें उल्लेख है। प्रशासनिक खर्चों का प्रबंधन और शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना भी नियमों का हिस्सा है। मजदूरी और बेरोजगारी भत्ते के भुगतान के तरीके भी स्पष्ट किए गए हैं। सामान्य आवंटन से अधिक होने वाले खर्चों का प्रबंधन भी इन नियमों के दायरे में आता है।

अब मनरेगा की जगह लेगी यह योजना

ग्रामीण भारत में रोजगार की गारंटी देने वाली दशकों पुरानी मनरेगा योजना की जगह अब एक नया ऐतिहासिक कानून लेने जा रहा है। केंद्र सरकार आगामी 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में 'बीबी-जी राम जी' (विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन - ग्रामीण) योजना को आधिकारिक तौर पर लागू करने जा रही है। सरकार का उद्देश्य इस नई योजना के जरिए ग्रामीण परिवारों को अधिक दिनों का गारंटीशुदा रोजगार देना और पूरी व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना है।

खबर संक्षेप

जिमखाना क्लब 5

जून तक खाली करें

नई दिल्ली। देश के सबसे प्रतिष्ठित क्लबों में से एक दिल्ली जिमखाना क्लब जल्द ही इतिहास बन



जाएगा। केंद्र ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग से सटी सार्वजनिक भूमि पर स्थित क्लब को 5 जून तक परिसर खाली करने का आदेश दिया। सरकार ने कहा है कि 27.3 एकड़ का यह भूखंड 'रक्षा बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने के लिए जरूरी है।

राज्यसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष बने चट्टा

नई दिल्ली। आप पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चट्टा को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। चट्टा को उच्च सदन यानी राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस समिति का पुर्नगठन करते हुए इसमें दस सदस्यों को नामांकित किया है। यह नियुक्ति तत्काल लागू हो गई है।



राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस समिति का पुर्नगठन करते हुए इसमें दस सदस्यों को नामांकित किया है। यह नियुक्ति तत्काल लागू हो गई है।

बच्ची का अपहरण और मर्डर, आरोपी गिरफ्तार

कोयंबटूर। कोयंबटूर की सुल्तूर पुलिस ने सुल्तूर के कन्नमपालयम के पास एक 10 वर्षीय बच्ची के अपहरण और हत्या के आरोप में शनिवार तड़के 33 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बच्ची गुरुवार शाम को अपने घर के पास एक किराने की दुकान पर गई थी। इसी दौरान आरोपी ने दोपहिया वाहन पर उसका अपहरण कर बाद में हत्या भी कर दी।



शाम को अपने घर के पास एक किराने की दुकान पर गई थी। इसी दौरान आरोपी ने दोपहिया वाहन पर उसका अपहरण कर बाद में हत्या भी कर दी।

सरकार आंदोलन नहीं रोक सकती

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को सरकार पर इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने और वेबसाइट बंद करने का आरोप लगाया। पार्टी ने एक्स पोस्ट में बताया कि इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं। फाउंडर अभिजीत दीपके ने एक्स पर कहा- सरकार ने हमारी वेबसाइट बंद कर दी है। उस पर 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।



नहीं कर पा रहे हैं। फाउंडर अभिजीत दीपके ने एक्स पर कहा- सरकार ने हमारी वेबसाइट बंद कर दी है। उस पर 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

शिअद में कलह तेज 3 गुटों में बंटी पार्टी

खडूर साहिब। 2027 के चुनावों में अपने बलबूते सरकार बनाने का दावा करते हुए शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बाकल ने आप छोड़कर आई रमनदीप कौर शेरों को खडूर साहिब का हलका इंचार्ज लगाया तो पार्टी में बखेड़ा पैदा हो गया। नतीजन शिअद तीन गुटों में बंट गया। तीनों ही नेता अपने हठ पर कायम हैं। पार्टी में कलह बढ़ती दिख रही है।



दिल्ली में प्रदूषण कम करने की पहल कीर्तिनगर में पहली बार डस्ट कैचर मशीनें हवा साफ करेंगी

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली के कीर्तिनगर में प्रदूषण कम करने पोल माउंटेड डस्ट कैचर मशीनें लगाई गई हैं। पहली बार इन मशीनों को इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रयोग के तौर पर अभी 21 मशीनें लगाई गई हैं। इसे स्ट्रीट लाइट के पोल में लगाया गया है। यह एक फिल्टर लेस मशीन है, जिससे धूल और धुआं दोनों साफ किया जा सकता है। एक मशीन 1 घंटे में 3 लाख लीटर हवा को शुद्ध करेगी।



हवा में मौजूद पोल्यूटेड को करेगी इकट्ठा

मशीन में एक बॉक्स लगा हुआ है, जिसमें हवा में मौजूद पोल्यूटेड को इकट्ठा किया जाता है। जब इस बॉक्स में 2.5 किलो पोल्यूटेड जमा हो जाता है तो कंट्रोल सेंटर में संदेश चला जाता है। उसके बाद उस बॉक्स को बदल दिया जाता है। इसके बाद मशीन फिर से काम करने लगती है। जो इस मशीन के द्वारा जमा किया जाता है, उसे कम्प्रेस करके ईट बना लिया जाता है।

पीएम मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी अजय के साथ 30 समर्थकों पर एफआईआर, सौंपी 'पेन ड्राइव'

एजेसी ►► महोबा

जिले में अपहरण व दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली गैट की तैयारी कर रही छात्रा से मिलने आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य और अधिकवक्ता नीरज रावत की तहरीर पर अजय राय, बृजराज सिंह समेत 30 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।



गोयल ने कहा- विश्व स्तरीय औद्योगिक बुनियादी ढांचा तैयार करेंगे

33,660 करोड़ का बजट तय, 4 माह में राज्य आवेदन दें

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राज्यों को भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के तहत 50 औद्योगिक पार्क स्थापित करने का अवसर दिया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 33,660 करोड़ का बजट तय किया है। राज्यों से आवेदन करने के लिए 4 महीने समय दिया है। यह पहल देश में विश्व स्तरीय औद्योगिक बुनियादी ढांचा तैयार करेगी।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 मार्च को देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित करने की इस योजना को मंजूरी दी थी। इसका मुख्य लक्ष्य विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा देना है।

50

औद्योगिक पार्क पहले बनेंगे

20

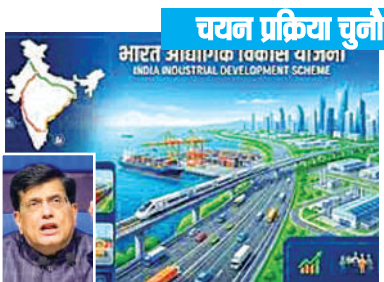
पार्क पहले 2 माह में बनेंगे

30

पार्क इसके 2 माह बाद बनेंगे

50

अंतिम चरण में होंगे स्थापित



निजी साझेदारी का प्रावधान योजना में राज्यों के लिए निजी खिलाड़ियों के साथ साझेदारी का भी प्रावधान है। ऐसे प्रस्तावों के लिए केंद्र प्रति एकड़ 50 लाख की सहायता देगा। गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज

इयूटी पर तैनात पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों को शांति व्यवस्था बनाए रखने में मशवकत करनी पड़ी। उन्होंने वायरल वीडियो की पैम ड्राइव पुलिस को साक्ष्य के तौर पर सौंपी। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह का कहना है आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर सरकारी कार्य में बाधा समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

एजेसी ►► सियालदेह

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री सुबेंदु अधिकारी ने राज्य में भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने बड़ा कदम उठाया है। अब से परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। सीएम अधिकारी ने मध्य कोलकाता के सियालदेह में सरकार की ओर से आयोजित एक रोजगार मेले में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर युवा उम्मीदवार को कार्बन कॉपी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अभी कार्बन कॉपी नहीं दी जाती थीं।

सियालदेह में रोजगार मेले में यह बात कही

बंगाल में रुकी 61 रेल परियोजनाओं शुरू



सुबेंदु ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में पूर्ववर्ती टीएमसी सरकार के असहयोग के कारण रुकी हुई 61 रेल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए संबंधित विभागों को रेलवे को अविलंब भूमि सौंपने का निर्देश दिया है।

हर गरीब को मिलेगा फ्री इलाज, खुलेगा एम्स

सुबेंदु ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ अहम वरुणल बैठक की। बंगाल की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 2103 करोड़ आवंटित किए गए। सुबेंदु ने कहा कि जुलाई से राज्य में आयुष्मान भारत काइ देने का काम शुरू हो जाएगा। नया एम्स भी खोला जाएगा।

एयर टर्बुलेंस में फंसा विमान

एक घंटे तक थमी रही 160 यात्रियों की सांसें, जान आई

एजेसी ►► लखनऊ

चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में रवाना हुआ एक विमान शनिवार को दोहरे संकट में फंस गया। दिल्ली का मौसम खराब होने के कारण विमान को वहां उतरने की अनुमति नहीं मिली। दूसरा विमान जब आसमान में चक्कर काट रहा था तो हवा के तेज झोंके में फंस गया। इससे विमान यात्री कुछ देर के लिए भयभीत हो गए। हालांकि करीब एक घंटे आसमान में चक्कर काटने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति मिल गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस के



विमान आईएक्स-1167 ने शनिवार को सुबह 7:50 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से उड़ान भरा था। यह विमान 7:40 बजे दिल्ली वायुसीमा क्षेत्र में दखिल हुआ तो वहां के एटीसी ने बताया कि खराब मौसम के कारण विमान को उतरने की अनुमति नहीं दी जा सकती। बताया जा रहा है कि इसमें 160 यात्री सवार थे। करीब एक घंटे के बाद यात्रियों को सांस मिली।

व्हाइट हाउस में ईरान पर 'फ्रेश राउंड' स्ट्राइक की योजना तैयार की जा रही है। अगर अगले 24 घंटे में कोई बड़ा कूटनीतिक समझौता नहीं हुआ, तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े सैन्य ऑपरेशन को मंजूरी दे सकते हैं।

ईरान पर फिर हमले की तैयारी में अमेरिका ?
एजेसी ►►**वॉशिंगटन/ तेहरान**
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना वीकेंड गोल्फ कार्यक्रम अचानक रद्द कर दिया और वे तुरंत व्हाइट हाउस लौट आए। इसके साथ कई वरिष्ठ प्रशासनिक और सैन्य अधिकारियों ने अपने निर्धारित अवकाश और छुट्टियां रद्द कर दी हैं। इस फैसले के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर कई तरह की अटकलें तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस में ईरान पर 'फ्रेश राउंड' स्ट्राइक की योजना तैयार की जा रही है। अगर अगले 24 घंटे में कोई बड़ा कूटनीतिक समझौता नहीं हुआ, तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े सैन्य ऑपरेशन को मंजूरी दे सकते हैं।

ट्रंप अचानक व्हाइट हाउस लौटे सैन्य अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

◆ ईरान ने अपना पूरा हवाई क्षेत्र बंद किया ◆ ईरान ने कई देशों के साथ की बातचीत



डोनाल्ड ट्रंप

मोज़ताबा खामेनेई

अमेरिका को हमारी नांगें माननी होंगी

ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेजा तलह-निक ने कहा कि ट्रंप के पास ईरानी की नांगें मानने और ईरान के अधिकारों को स्वीकार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि चाहे जंग हो या बातचीत, दोनों हालात में अमेरिका और इजराइल के लिए यही एक रास्ता बचा है।

यूएस को अधिक कड़ा जवाब देंगे: गालिबाफ

ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अमेरिका को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उसने फिर से युद्ध शुरू करने की गलती की, तो उसे पहले से कहीं अधिक कड़ा जवाब झेलना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान की सशस्त्र सेनाएं संघर्ष विराम के दौरान अपनी क्षमताओं को और मजबूत कर चुकी हैं। ईरानी सेना किसी भी आक्रामक कदम का कड़ा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

खबर संक्षेप

राजौरी में आतंकियों संग मुठभेड़, अभियान जारी जम्मू। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में तलाशी अभियान के बाद शनिवार को सुरक्षा बलों और



आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। इलाके में दो से तीन आतंकवादियों की गतिविधियों का संदेह था।

व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि पूर्वांचल लगभग 11.30 बजे, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ मिलकर खुफिया जानकारी पर आधारित एक संयुक्त अभियान के दौरान राजौरी के गंभीर मुगलन इलाके में आतंकवादियों के साथ आमना सामना हुआ। सैनिकों ने त्वरित कार्रवाई के साथ जवाब दिया। 'ऑपरेशन शेरुवाली' जारी है।

मेजर अमिलाषा बराक यूएन अवार्ड से सम्मानित

न्यूयॉर्क। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवारत भारतीय शांतिक्षक, मेजर अमिलाषा बराक को विश्व संस्था द्वारा प्रतिष्ठित 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड' के लिए नामित किया गया है। उन्हें पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान महिलाओं और किशोरियों के साथ संपर्क कायम करने और सामुदायिक गतिविधियों तथा शांतिक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। बराक संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल लेबनान में महिला सहभागिता दल की कमांडर के रूप में भारतीय बटालियन में कार्यरत हैं।

हेमकुंड साहिब में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



चमोली। उत्तराखंड के चमोली में भारी बर्फबारी और भीषण मौसम के कारण सर्दियों में बंद रहे विश्व प्रसिद्ध सिख तीर्थस्थल गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब जी के कपाट खुलने के बाद श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ रहा है। हिमालय की दुर्गम बर्फीली चोटियों के बीच स्थित इस पवित्र धाम के कपाट पूरे विधि-विधान के साथ खोल दिए गए हैं। मौसम की चुनौतियों और 15,000 फीट की अत्यधिक ऊंचाई के बावजूद, भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। गुरुद्वारा साहिब को फूलों और रंग-बिरंगी पताकाओं से सजाया गया है। हेमकुंड साहिब यात्रा का मुख्य बेस कैंप गोविंदघाट है।

वायु सेना के 'गरुड़' बल के जवानों के प्रशिक्षण का सफल समापन

गरुड़ प्रशिक्षुओं को मैरून बरेट, गरुड़ प्रवीणता बैज प्रदान किए

एजेसी ►►**नई दिल्ली**

वायु सेना के 'गरुड़' बल के विशेष बलों के जवानों के प्रशिक्षण के सफल समापन के उपलक्ष्य में, 23 मई 2026 को गरुड़ रेंजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर (जीआरटीसी), वायु सेना स्टेशन चांदीनगर में मैरून बरेट औपचारिक परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एवीएम राहुल गुप्ता, एसिएएस ऑपरेशन (अंतरिक्ष) ने परेड का निरीक्षण किया। गरुड़ रेंजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर के कमांडेंट ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उन्हें प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।



'गरुड़' बल बंधक बचाव का प्रदर्शन करते हुए

चांदीनगर में मैरून बरेट की औपचारिक परेड, विजेताओं को प्रदान की ट्रॉफियां

बदलते समय में कौशल को निखारने पर जोर

मुख्य अतिथि एवीएम राहुल गुप्ता ने गरुड़ कमांडो को उनकी सफल पासिंग आउट पर बधाई दी। उन्होंने युवा कमांडो को संबोधित करते हुए तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य के अनुरूप कठोर प्रशिक्षण और विशेष बलों के कौशल को निखारने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सफल गरुड़ प्रशिक्षुओं को मैरून बरेट, गरुड़ प्रवीणता बैज और विशेष बल टैब प्रदान किए और पुरस्कार विजेताओं को ट्रॉफियां वितरित कीं।

चीन की कोयला खदान में भीषण हादसा गैस विस्फोट में 90 की मौत पीएम मोदी ने जताया दुख

एजेसी ►►**नई दिल्ली**

चीन के उत्तरी प्रांत शांक्सी में एक कोयला खदान में हुए भीषण गैस विस्फोट में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लिउशेन्यू कोयला खदान में हुआ, जहां विस्फोट के समय बड़ी संख्या में मजदूर भूमिगत काम कर रहे थे। करीब 247 मजदूरों के खदान में फंसे होने की आशंका जताई गई थी। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि दुर्घटना में लोगों की जान जाने से मैं दुखी हूं। भारत की जनता



की ओर से, मैं राष्ट्रपति शी जिनिपिंग और चीन की जनता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करे। घटना के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनिपिंग ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

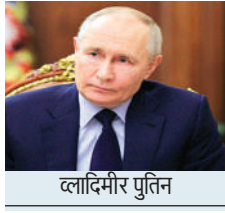
नहीं थम रहा रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष

पुतिन का आरोप: स्टारोबिल्स्क में बेबस बच्चों पर हमला, यह अमानवीय आतंक

एजेसी ►►**मॉस्को**

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को लुहान्स्क के स्टारोबिल्स्क में एक कॉलेज पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। राष्ट्रपति पुतिन ने इसे एक 'आतंकी हमला' करार देते हुए कहा कि कीव की सत्ता पर काबिज 'नियो-नाजी शासन' ने जानबूझकर एक स्टूडेंट हॉस्टल को निशाना बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेन का मौजूदा प्रशासन लगातार नागरिक ठिकानों को निशाना बना रहा है।

कीव ने कूटनीतिक कोशिशें कमजोर की



व्लादिमीर पुतिन

राष्ट्रपति पुतिन ने जोर देकर कहा कि हमला रात में हुआ, जब स्टूडेंट्स सो रहे थे। बेबस बच्चों के खिलाफ खुला, अमानवीय आतंक फैलाना, हथियारों से होने वाली लड़ाई का एक नया अध्याय है, जिसे कीव शासन शुरू कर रहा है, जिसे लड़ाई के मैदान में हार का सामना करना पड़ा।

यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूसी तेल डिपो में लगी आग

यूक्रेन द्वारा शुक्रवार रात ड्रोन से किए गए हमले में रूस के एक और तेल टर्मिनल में आग लग गई। ड्रोन का मलबा गिरने से एक तेल टर्मिनल में आग लग गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। ड्रोन ने शंखारिस तेल टर्मिनल और डिपो पर हमला किया, जो सरकारी कंपनी ट्रांसनेफ्ट का है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान बोले

भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे मनोवैज्ञानिक तरीके से लड़ेंगे

एजेसी ►►**शिरडी**

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे, जहां लड़ाइयां भूमि, समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से भी लड़ी जाएंगी। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में एक रक्षा निर्माण इकाई के उद्घाटन के अवसर पर जनरल चौहान ने कहा कि आधुनिक युद्ध केवल जनशक्ति, पारंपरिक हथियारों या प्लेटफॉर्म-केंद्रित अभियानों पर

आधारित नहीं हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, रोबोटिक्स, साइबर प्रणालियां, स्वायत्त प्लेटफॉर्म, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सटीक मारक क्षमता वाले हथियार और सूचना प्रभुत्व भविष्य के युद्धों को निर्णायक आकार देंगे। जनरल चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी, गति और नवाचार होने वाले दिनों में अभियानों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व होंगे। भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे, जहां लड़ाइयां भूमि, समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से भी लड़ी जाएंगी।



शिरडी में साईं बाबा की पूजा करते रक्षा मंत्री

शिरडी से रक्षा क्षेत्र में नए युग की शुरुआत

राजनाथ सिंह ने किया आधुनिक मिसाइल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन

हरिभूमि ब्यूरो ►►**नई दिल्ली**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महाराष्ट्र के शिरडी में एक आधुनिक मिसाइल कॉम्प्लेक्स और आर्टिलरी शेल प्रोडक्शन लाइन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत की बढ़ती सैन्य ताकत और भविष्य के बड़े लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक समय था जब भारत को दुनिया में केवल हथियारों का खरीदार यानी आयातक माना जाता था। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कि अगले 25 से 30 वर्षों में भारत को दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश बनने से कोई भी ताकत नहीं रोक सकती। राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया।

भारत में प्रतिभा की कमी नहीं

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में प्रतिभा और साहसी लोगों की कोई कमी नहीं है। हमारे लोगों को बस सही अवसरों की जरूरत है। उद्यमी गणेश निबे ने उन्हें जानकारी दी कि इस नई यूनिट को स्थापित करने में राज्य सरकार ने बहुत सहयोग दिया है। गणेश निबे ने अपनी मेहनत से यह साबित कर दिया है कि भारतीय उद्यमी बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि शिरडी की इस पवित्र और आध्यात्मिक भूमि से एक नए युग की शुरुआत हो रही है। यह भारत की रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का एक सुनहरा अध्याय है।

सीएन फंडगवीस की प्रशंसा की

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने महाराष्ट्र सरकार और देवेंद्र फडणवीस के कार्यों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जब से देवेंद्र फडणवीस ने जिम्मेदारी संभाली है, महाराष्ट्र विकास की राह पर बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि अच्छे शासन, शांति और स्थिरता के माहौल ने महाराष्ट्र को विकास के नए शिखर पर पहुंचाया है।

कहा- 30 साल में भारत सबसे बड़ा हथियार निर्यातक होगा

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

एक मशहूर जापानी कहावत है- ‘सात बार गिरो, आठ बार उठो।’ इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जच्चे में छिपा होता है।

क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में ‘लॉ ऑफ अट्रैक्शन’ की चर्चा ज़ोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि ‘भविष्य को वर्तमान में जीना’ सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि



जीवन की दिशा बदल देगा जापानी मेनीफेस्टेशन



सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की ‘बधाई’ स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को ‘धन्यवाद’ कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, ‘आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।’ योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही ‘जीत’ महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

अरिगातो व्यवहृत करते रहें कृतज्ञता



जापानी संस्कृति में ‘कृतज्ञता’ को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। ‘अरिगातो’ यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है- ‘पैसों को धन्यवाद देना’। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे ‘अरिगातो’ कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएँ, तब भी ‘अरिगातो’ कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

एमा एक तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।



दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

दारुमा गुड़िया जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

कड़जन हर दिन सीखें नई तकनीक



मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कड़जन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है। कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे दिन बरसाता आग

सूरज श्रांति बग गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अक्रुताहट, दूढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बितरख रस इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
वाबुक सड़कों पर चले, श्रांतिफित हर एक।
दिनकर के तो आगकल, नहीं इरादे नैक।।
कूलर, पंखे रंस रहे, शीतलता का गांव।
मदके ने इस पल 'शरद', पाया नवत दिलग।।
किरणें ना किरणें लगे, बरस रही है आन।
बवना तुम चलो अवर, तो लो बयकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिश्वा ऊनी वस्त्र।
किरणें झलके कर रही, बनकर नित ही शस्त्र।।
गीर सरीखा बर रहा, तन से बेहद स्वेद।



इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
किगली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
रम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे भीत।।
सुबह र्खें लगती भली, दिन बरसाता आन।
फिर जी-अर फुंककारता, श्रातता का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे गांवव राह।
पर अब इस पल जन रही, हर दिल से ही आह।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सामाजिक बदलाव की कहानियां



रिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह ‘हवा बहुत तेज है’ हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी ‘हवा बहुत तेज है’ के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे ‘एक पुराना आदमी’ कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को ‘दाग अच्छे हैं’ कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

पुस्तक: हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), लेखक: कैलाश बनवासी, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

खंयग / डॉ. मुकेश असीमित

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं। सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गंधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क सामन्य भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गंधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा जाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर जाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं। सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है। सड़क है तो गड़बड़ है। गड़बड़ है तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क ‘राइट एट योर डोरस्टेप’ कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।



लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर

गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी। ‘छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितने को मर गए रे सब के सब?’ लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला। एक तीखी गंध घरे घर में पसर गई। आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, ‘चा देख रही है बे! दौड़ के एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।’ कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, ‘बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछा हतो कि हम बड़े होकर का बनेहें?’ मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, ‘तुमने का

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।



स्मृतियां ही संजोती हैं यादें - रिश्ते - विरासत

जीवनशैली / लोकमित्र गौतम

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव: आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

स्मृतियां बनानी हैं संवेदनशील: स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता: जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति: आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मनुष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव: अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को संजोने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चक्काचौंध के जालुम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल: आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *



बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी खर नहीं किने एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट को और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो परला सवाल यही पूछा जाता है, ‘सड़क तेरे बाप की है क्या?’ पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, ‘यह सड़क कहाँ जाती है?’ भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सारलों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

कहो फिर?’ दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, ‘बापू हमने कह दो कि हम बड़े होकर तुमओ जैसा नहीं बनेहें।’ ‘टून...!’

दीन की यह ज़ोरों की गूंज, घर की कच्ची टनारों में समा गई। दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनसर्वर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

आईपीएल पाइंट टेबल				
टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	14	9	5	18
गुजरात	14	9	5	18
हैदराबाद	14	9	5	18
पंजाब	14	7	6	15
राजस्थान	13	7	6	14
कोलकाता	13	6	6	13
चेन्नई	14	6	8	12
दिल्ली	13	6	7	12
मुंबई	13	4	9	8
लखनऊ	14	4	10	8

अंरिज कैप

परपल कैप



साई सुदर्शन

638 रन

गुजरात



नवनेश्वर कुमार

24 विकेट

बेंगलुरु



सौडल ओपन : संधू ने बनाई कट में जगह, शर्मा चूके

एंटरप्रा। भारतीय गोल्फर युवराज संधू (70-68) ने बेल्जियम के एंटरप्रा के पास रिकवेन इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में चल रहे सौडल ओपन में कट हासिल किया लेकिन शुभंकर शर्मा (70-72) चूक गए। डीपी वल्ट्र टूर पर पहली बार खेल रहे संधू ने पहले दिन तीन बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाई थी और तब वह संयुक्त 72वें स्थान पर थे। उन्होंने दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन किया तथा दो बोगी के मुकाबले पांच बर्डी के साथ 68 का स्कोर बनाया, जिससे वह संयुक्त 51वें स्थान पर पहुंच गए हैं। डीपीडब्ल्यूटी में छह बार कट से चूकने के बाद संधू ने टर्किश एयरलाइंस ओपन और एस्ट्रेला डाम कैटालुन्या चैंपियनशिप में भी कट में जगह बनाई थी। दक्षिण अफ्रीका के जैडर लम्बाई और फ्रांस के टॉम वैलियंट दूसरे दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं।

तलवार ने किया कट हासिल शीर्ष 20 में बरकरार



ओडेसे। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए होटल प्लानर टूर के डेनिस चैलेंज ओपन में 67-70 का स्कोर बनाकर आसानी से कट हासिल कर लिया। घरेलू डीपी वल्ट्र पीजीटीआई टूर पर एक प्रतियोगिता जीतने वाले तलवार ने पहले दौर में एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाई थी। उन्होंने दूसरे दौर में फ्रंट नाइन पर एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। तलवार तब शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब थे। लेकिन 16वें होल पर डबल बोगी और 17वें होल पर बोगी के कारण वह संयुक्त 16वें स्थान पर खिसक गए।

जिला तैराकी स्पर्धा आज प्रकाश तरुण पुष्कर में



भोपाल। भोपाल जिला तैराकी प्रतियोगिता स्थानीय प्रकाश तरण पुष्कर में रविवार को भोपाल तैराकी संघ द्वारा आयोजित की जाएगी। भोपाल तैराकी संघ के सचिव रामकुमार खिलरानी ने बताया कि प्रतियोगिता 05 वर्ग जिसमें की 11 वर्ष से शुरू होकर सीनियर बालक-बालिका वर्ग होंगे। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता की सम्पूर्ण तैयारी हो गई है, तैराकी प्रतियोगिता प्रातः आठ बजे प्रारंभ होगी और इसमें कुल 144 इवेंट्स होंगे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से भोपाल जिले की टीम का चयन किया जाएगा, जो 54वें मध्यप्रदेश राज्य तैराकी प्रतियोगिता रीवा के मिहिर सेन तरण ताल में 30 मई से 2 जून तक संपन्न होगी, के लिए भोपाल टीम का चयन किया जाएगा।

किंग्स ने तोड़ा 6 हार का सिलसिला पंजाब प्लेऑफ की रेस में बरकरार लखनऊ को सात विकेट से दी मात

एजेसी ►► लखनऊ

कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 101 रन की शानदार पारी को बदौलत पंजाब किंग्स ने लगातार 6 हार के सिलसिले को तोड़ते हुए शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 7 विकेट से करारी शिकस्त देकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ की दौड़ में अपनी उम्मीदें कायम रखीं। अय्यर ने 51 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 69 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी कर एलएसजी के 6 विकेट पर 196 रन के स्कोर को बीना साबित कर दिया। पंजाब किंग्स ने 12 गेंद शेष रहते 3 विकेट पर 200 रन बनाए। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने अपने सभी 14 लीग मुकाबले पूरे कर 15 अंक हासिल किए और अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

श्रेयस अय्यर

प्लेयर ऑफ द मैच

101* रन

51 गेंद

11 चौके

05 छक्के

आरआर-मुंबई के मैच पर टिकी पंजाब की किस्मत

अब टीम को अपनी किस्मत के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि रविवार को मुंबई में राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला जाएगा। राजस्थान रॉयल्स यह मैच जीतती है तो टीम 16 अंकों के साथ चौथी टीम के रूप में प्लेऑफ में पहुंचेगी। राजस्थान अगर यह मैच हारती है तो पंजाब किंग्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें काफी बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स (13 अंक) रविवार को दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी।

स्कोर बोर्ड				
एलएसजी	रन	गेट	4	6
इमरत का अट्टर से बल्लेबाजी	72	44	9	2
युवराजी का प्रदर्शन से अंक	100	01	0	0
निरुपमा पून से बल्लेबाजी	02	07	0	0
बल्लेबाजी से बल्लेबाजी	43	18	5	3
पांच का बल्लेबाजी से बल्लेबाजी	26	22	3	0
अहमद कल्ले नाबाद	37	20	3	3
सुनील का लु से बल्लेबाजी	01	03	0	0
अंरिज कैप का नाबाद	05	05	0	0
अंरिज का 10, युवराज ने 20 अंक ने 1966				
नैकली: अंरिज 3-0-52-0, अंरिज 3-0-29-1, कल्ले 4-0-33-2, बल्ले 4-0-25-2, बल्ले 3-0-26-0, बल्ले 3-0-29-1				
पंजाब किंग्स	रन	गेट	4	6
मिना का अंरिज से बल्लेबाजी	00	01	0	0
मिना का अंरिज से बल्लेबाजी	69	39	7	2
युवराज का लु से बल्लेबाजी	10	18	4	0
अंरिज का 10, युवराज ने 20 अंक ने 1966				
नैकली: अंरिज 3-0-52-0, अंरिज 3-0-29-1, कल्ले 4-0-33-2, बल्ले 4-0-25-2, बल्ले 3-0-26-0, बल्ले 3-0-29-1				

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड रवाना हुई महिला टीम, स्ववाड में शामिल 15 खिलाड़ी

एजेसी ►► मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने से इंग्लैंड की मेजबानी में शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो चुकी है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में विमेल इन ब्लू को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से वे इतिहास रचने के इरादे से इंग्लैंड के लिए उड़ान भर चुकी हैं। यह महिला टी20 विश्व कप का दूसरा ऐसा सीजन है, जिसमें 12 टीमों हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 6-6 के दो ग्रुपों में बांटा गया है। इस टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से होगा, जहां उद्घाटन मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड का सामना श्रीलंका से एजबेस्टन के मैदान पर होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ महामुकाबले से करेगी।

टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से

स्विटजरलैंड में यूसीआई लेवल 3 कोर्स में लेंगे हिस्सा जबलपुर गढ़ा के प्रतीक मनोध्या का चयन विश्व साइकिलिंग की सर्वोच्च कोचिंग में

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

जबलपुर गढ़ा निवासी प्रतीक मनोध्या का चयन विश्व साइकिलिंग की सर्वोच्च कोचिंग में हो गया है। प्रतीक यूनिवर्स साइकलिस्ट इंटरनेशनल के मुख्यालय एगल स्विटजरलैंड में आयोजित होने वाले यूसीआई लेवल 3 कोचिंग कोर्स करेंगे। प्रतीक मनोध्या लंबे समय से साइकिलिंग खेल में मग्न का राष्ट्रीय स्तर पर सफल प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का नाम गौरवान्वित करते आए हैं। उन्होंने पूर्व में नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स से एनआइएस साइकिलिंग कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किया है तथा खेल क्षेत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण को देखते हुए साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं भारत सरकार द्वारा उन्हें विश्व के सर्वोच्च कोचिंग कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्रदान किया है।



मग्न के साथ महाकौशल के लिए बड़ी उपलब्धि

यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे मग्न और महाकौशल क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक क्षण हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की आधुनिक तकनीक, खेल विज्ञान, खिलाड़ी विकास प्रणाली एवं उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण का अनुभव प्राप्त कर यदि ऐसे प्रशिक्षक प्रदेश में अपनी सेवाएं देते हैं, तो निश्चित रूप से मध्यप्रदेश के साइकिलिंग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा और बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया स्टार पहलवान के पक्ष में फैसला

एजेसी ►► दुबई

भारत की स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट को बड़ी राहत मिली है। भारतीय कुश्ती महासंघ (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने एशियन गेम्स के ट्रायल्स के लिए ऐसा नियम बनाया था, जिससे विनेश फोगाट का इसमें भाग लेना मुश्किल नजर आ रहा था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अब दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दे दी है।

विनेश को मिली ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति



भारतीय कुश्ती महासंघ ने किया था नया क्राइटेरिया जारी

6 मई को भारतीय कुश्ती महासंघ ने एशियन गेम्स ट्रायल्स के लिए एक नया क्राइटेरिया जारी किया था। इसमें कहा गया था कि केवल वही खिलाड़ी ट्रायल्स में हिस्सा ले सकेंगे, जिन्होंने 2025 सीनियर नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में मेडल जीता हो, 2026 सीनियर फेडरेशन कप में मेडल जीता हो, 2026 अंडर-20 नेशनल चैंपियनशिप में मेडल जीता हो। विनेश फोगाट ने 2024 पेरिस ओलंपिक में महज 100 ग्राम अधिक वजन के कारण अपना पक्का स्विचर मेडल गंवा दिया था।

प्रस्तावित नियम टेस्ट, वनडे और टी20 की बदल सकते हैं सूरत हेड कोच को लेकर आईसीसी कर सकता है नियमों में बड़ा बदलाव

इंक्स ब्रेक में सीधे मैदान पर जा सकेंगे हेड कोच

मैच के दौरान केवल सबस्टीट्यूट खिलाड़ी ही इंक या अन्य सामान लेकर मैदान के भीतर जा सकते हैं। लेकिन अब टीमों के मुख्य कोच को इंक ब्रेक के दौरान मैदान पर जाने का अधिकार मिलेगा। हालांकि कोच अभी भी बाउंड्री लाइन या डनआउट से खिलाड़ियों को रणनीतिक संदेश भेजते हैं, लेकिन मैदान के अंदर जाने की अनुमति मिलने से वे कप्तान और प्रमुख खिलाड़ियों से सीधे लाइन मैच की रणनीति पर चर्चा कर सकेंगे।



वनडे फॉर्मेट पर दिखेगा असर

यह नियम खासकर वनडे फॉर्मेट को ध्यान में रखकर लाया जा रहा है, जहां हर पारी में करीब 70-70 मिनट के अंतराल पर दो इंक ब्रेक होते हैं। नियम बदलने पर कोच को दोनों ब्रेक में मैदान पर जाने का एक्सेस मिलेगा। हालांकि, अभी यह पूरी तरह साफ नहीं है कि मैदान पर जाने के लिए हेड कोच को टीम की जर्सी पहननी होगी या नहीं। मौजूदा नियम कहता है कि मैदान पर इंक ब्रेक के जाने वाले किसी भी खिलाड़ी का उचित क्रिकेट पोशाक में होना अनिवार्य है।

टी-20 में कम होगा इंग्लिश ब्रेक का समय

आईसीसी टी20 इंटरनेशनल मैचों की गति को और तेज करने तथा खेल को तब समय लेने के भीतर खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी हजे में आईसीसी टी20 मैचों के दौरान होने वाले इंग्लिश ब्रेक घटाकर सिर्फ 15 मिनट करने का योजना बना रही है।

संदिग्ध बॉलिंग एक्शन को पकड़ने हॉक-आई तकनीक

किसी गेंदबाज के संदिग्ध या अवैध बॉलिंग एक्शन को लेकर विवाद खड़ा हो जाता है, जिसकी जांच मैच के कई दिनों बाद आईसीसी की लैब में होती है। अब आईसीसी इसे मैच के दौरान ही ट्रैक करने की तैयारी में है। आपायरों को मैच के दौरान ही किसी खिलाड़ी के बॉलिंग एक्शन की वेंचता की जांच करने हॉक-आई तकनीक का उपयोग करने का अधिकार दिया जा सकता है। कोई गेंदबाज कोहली 15 डिग्री से ज्यादा मोड़ रहा होगा, तो आपायर मैदान पर ही इस तकनीक से तुरंत फैसला ले सकेंगे, जिससे खेल में पारदर्शिता और बढ़ेगी।

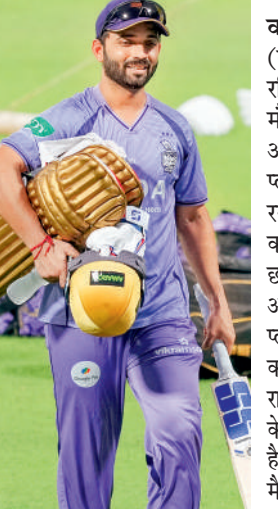


प्लेऑफ पर आरआर की नजर जीत भरी विदाई चाहेगी एमआई

एजेसी ►► मुंबई

राजस्थान रॉयल्स की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले लीग चरण के अपने अंतिम मैच में जीत हासिल करके इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है और वह जीत के साथ विदाई लेने के लिए प्रतिबद्ध होगा लेकिन राजस्थान रॉयल्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें जीत पर वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली अंतिम टीम बन जाएगी।

केकेआर-दिल्ली के बीच भिड़ंत आज



कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग की मौजूदा सत्र के अंतिम लीग मैच में आमने-सामने होंगे। कोलकाता को प्लेऑफ की अपनी उम्मीद बरकरार रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। मौजूदा स्थिति के अनुसार छठे स्थान पर काबिज केकेआर की टीम अगर मगर के समीकरणों से अभी भी प्लेऑफ का अंतिम स्थान हासिल करने की दौड़ में हैं, लेकिन रविवार को पहला राजस्थान रॉयल्स की टीम मुंबई इंडियंस के बीच है अगर राजस्थान मैच जीत जाती है तो दूसरा मैच शुरू होने से पहले ही यह मैच महज औपचारिकता बन जाएगा।

सुपर शतरंज क्लासिक : प्रज्ञाननंदा ने गंवाए जीत के मौके, ड्रॉ से करना पड़ा संतोष

एजेसी ►► बुखारेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने सुपर शतरंज क्लासिक के आठवें दौर में जीत हासिल करने के कुछ अच्छे मौके गंवा दिए और आखिर में उन्हें फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

दिन के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विंसेंट कीमर के बीच बाजी ड्रॉ रही, जबकि विश्व चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। नीदरलैंड के एक अन्य खिलाड़ी अनीश गिरी को रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल से हार का सामना करना पड़ा।

कारुआना और कीमर के बीच बाजी रही ड्रॉ



अमेरिका के वेस्ली सो को मिला वॉकओवर

फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के नाम वापस लेने के बाद अमेरिका के वेस्ली सो को वॉकओवर मिला। अब जबकि आखिरी दौर का खेल बाकी है तब खिताब के लिए पांच खिलाड़ी दावेदारी पेश कर रहे हैं। अभी कीमर और कारुआना दोनों पांच-पांच अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। सिंदारोव, वेस्ली और फोरेस्ट 4.5 अंकों के साथ संयुक्त तीसरे जबकि प्रज्ञाननंदा, गिरी और वाचियर-लाग्रेव चार-चार अंक लेकर संयुक्त छठे स्थान पर हैं। डिएक बोगदान-डेनियल ने अपना अग्रिम 3.5 अंकों के साथ समाप्त किया। अंतिम दौर में उन्हें वॉकओवर मिला, जिससे उनका स्कोर 4.5 हो जाएगा।

जिनेवा ओपन

भांबरी-वीनस बने उपविजेता



जिनेवा। भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस को जिनेवा ओपन के एटीपी 250 युगल फाइनल में कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त भारत-न्यूजीलैंड की जोड़ी को मोनाको के मोरें अरनोडो और ऑस्ट्रेलिया के मार्क पोलमैन्स ने 6-3, 6-7 (7), 10-7 से हराकर

खिताब अपने नाम किया। भांबरी और वीनस ने लगभग दो घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने दूसरा सेट जीतकर मैच को निर्णायक सुपर टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया। टाई-ब्रेकर में अरनोडो और पोलमैन्स ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने शुरुआत में बढ़त हासिल की और अहम मौकों पर संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की। भांबरी और वीनस ने इससे पहले सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की पेट्र रिक्ल और एडम पावलासेक की जोड़ी को 7-5, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूंकि सच्ची सहेली में है **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in

67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



सच्ची सहेली

हजारों दर्शकों की मौजूदगी में मेल दशहरा मैदान में फिल्म पेदी का प्रमोशन

रामचरण की जुबां फिसली, भोपाल को कहा बिहार; बाद में बोले...लव यू मध्य प्रदेश



हरिभूमि न्यूज ►►► भोपाल

लव यू बिहार, यहां आकर बड़ा अच्छा लगा.... जब मध्य प्रदेश की जगह बिहार बोलकर सुप्रसिद्ध अभिनेता राम चरण ने भोपालवासियों को संबोधित किया तो हजारों दर्शकों से खचाखच भरा भेल दशहरा मैदान एकदम सुन्न हो गया, सबको पहले तो लगा कि उन्होंने गलती से सुना है, लेकिन फिर बाद में रामचरण ने माफी मांगी और मध्य प्रदेश का जिक्र किया। इस अवसर पर मशहूर एक्टर और गोरखपुर के सांसद रवि किशन, एक्टर दिव्यांशु सहित फिल्म से जुड़े कई कलाकार मौजूद थे।

फिल्म पेदी के प्रमोशन के लिए भोपाल आए एक्टर रामचरण, जाह्नवी कपूर और ए आर रहमान....



फिर जुबां फिसली, जसप्रीत बुमराह को कहा-फुटबॉलर

रामचरण की जुबां सिर्फ इतनी ही नहीं फिसली बल्कि, इसके आगे उनसे जब जसप्रीत बुमराह के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह बहुत अच्छा फुटबॉल खेलते हैं और इसके बाद उन्होंने विराट कोहली की क्रिकेट में भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि पेदी मेरे लाइफ़ की बेस्ट फिल्मों में से एक है।

क्रिकेटर, रेसलर और रनर के रूप में दिखेंगे राम चरण

हाल ही में रिलीज हुए ग्रैंड ट्रेलर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, जिसमें 'पेदी' की दुनिया, एक क्रिकेटर, रेसलर और रनर के रूप में राम चरण के शानदार ट्रांसफॉर्मेशन और इसके लार्जर-दैन-लाइफ़ स्पोर्ट्स ड्रामा की एक झलक दिखाई गई है।

एआर रहमान की लाइव परफॉर्मेंस ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध



भोपाल में आयोजित पेड की आवाज इवेंट बेहद शानदार और यादगार साबित हुआ, जहां हजारों फैस की मौजूदगी ने माहौल को पूरी तरह उत्साह से भर दिया। एआर रहमान की लाइव परफॉर्मेंस, हेलाल्सो गाने की लॉन्चिंग और राम चरण की दमदार मौजूदगी ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे इवेंट के दौरान फैस का जोश देखने लायक था और हर किसी ने इस ग्रैंड सैलब्रेशन को भरपूर एंजॉय किया।



कहा-इतनी नीट एंड क्लीन सिटी देखकर तो मजा आ गया...खासकर यहां की लेक्स देखकर तो ऐसा लगता है कि ये भोपाल की शान है..

जाह्नवी बोलीं-हमें आप से स्वच्छता की प्रेरणा लेनी चाहिए...



जाह्नवी ने दर्शकों से फिल्म पेदी से जुड़ी कई बातें की

वहीं, एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने कहा कि मैं हमें आप लोगों से स्वच्छता की प्रेरणा लेनी चाहिए और स्वच्छता का जो संदेश अपने पूरे देश को दिया है उसे अपनाया चाहिए, इतनी नीट एंड क्लीन सिटी देखकर वाकई मैं मजा आ गया और खासकर यहां के लेक्स तो ऐसा लगता है कि भोपाल की शान है। जाह्नवी कपूर और रामचरण शनिवार की शाम भेल दशहरा मैदान में अपने आने वाली फिल्म पेदी के प्रमोशन के लिए आए और भोपालवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने फिल्म से जुड़ी कई बातें कही। वहीं, इस अवसर पर प्रसिद्ध म्यूजिक डायरेक्टर ऑस्कर अवार्ड विजेता ए आर रहमान ने भी फिल्म के म्यूजिक वीडियो को लॉन्च किया।



कुछ इस तरह हुई एक्टर दिव्यांशु की एंट्री।

भारत भवन में संतवाणी समारोह भक्ति, राग और लोकसंवेदना के सुरों से आलोकित रही संध्या



हरिभूमि न्यूज ►►► भोपाल

बहुकला केंद्र भारत भवन में आयोजित तीन दिवसीय 'संतवाणी समारोह' के दूसरे दिन शनिवार की संध्या भक्ति, राग और लोकसंवेदना के सुरों से आलोकित रही। संगीत

केंद्र 'अनहद' की ओर से आयोजित इस विशिष्ट समारोह में शास्त्रीयता और संतवाणी का ऐसा अद्भुत समन्वय देखने को मिला, जिसने श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभूति के साथ संगीत की सूक्ष्मताओं से भी जोड़ दिया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सुप्रसिद्ध गायिका माधवी मधुकर ने अपनी प्रभावशाली और भावप्रधान प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने "गणेश भुजंगम" से प्रस्तुति का शुभारंभ किया, जिसमें संस्कृत स्तोत्रों की गंभीरता और रागात्मक विस्तार का सुंदर संतुलन दिखाई दिया। इसके बाद "भवानी अष्टक" की प्रस्तुति में देवी उपासना का तेजस्वी भाव उभरकर सामने आया।

अभंग गायन की रसधारा हुई प्रवाहित



दूसरे सत्र में प्रसिद्ध गायिका मंजुषा पाटिल ने संत साहित्य और अभंग गायन की रसधारा प्रवाहित की। उन्होंने जय जय राम कृष्ण हरि से प्रस्तुति का आरंभ किया। पंचपदी शैली में प्रस्तुत यह अभंग नामस्मरण और भक्ति चेतना का जीवंत स्वरूप बनकर उभरा। इसके बाद रूप पाहता लोचनी में भगवान विठ्ठल के दिव्य स्वरूप का भावपूर्ण वर्णन सुन श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे। अली म्हणे लागे वृंदावन को की प्रस्तुति में श्रीकृष्ण और वृंदावन की मधुर भक्ति का रंग गहराया, वहीं करम को गति न्यारी में जीवन और कर्म के दार्शनिक रहस्यों को सहज लोकधुनों में पिरोया गया।

SHREE KRISHNA HEIGHTS
RERA NO.: P-BPL-17-1498/1497/1496/1495

Aaj Nahi Toh Kab?

Bhopal Builders
Jahan Lifestyle Sirf Jeeya Nahi Celebrate Kiya Jaata Hai

KATARA HILLS BHOPAL

3 BHK
1600 SQ.FT
47.90

3 BHK
1650 SQ.FT
48.90

Special Offers

- Modular Kitchen With Chimney
- All Doors With Mica Finish
- False Ceiling With Lights
- Digital Lock

A Project of 3 BHK Premium Luxurious Apartments

6264342055, 9669201610, 9669201603

www.bhopalbuilders.com
bhopalbuilders@gmail.com